PROFESSIONAL EXAMINATION BOARD
Middle School Teacher Eligibility Test - 2018
16th Feb 2019 09:30AM

Topic:- Child Development & Pedagogy (CDP)

1) The least important reason for assessment in a child-centred education is / बाल-केन्द्रित शिक्षा में मूल्यांकन का सबसे कम महत्वपूर्ण कारण है-

1. monitoring their progress toward those goals / उन लक्ष्यों की ओर उनकी प्रगति की निगरानी करना
2. active engagement of students in setting goals for their learning and growth / उनके अधिगम और विकास के लिए लक्ष्य निर्धारित करने में छात्रों की सक्रिय भागीदारी
3. determining how to address any gaps / किसी भी अंतराल को संबोधित करने का निर्धारण
4. learn core content knowledge and skills / मुख्य सामग्री ज्ञान और कौशल

Correct Answer :-

- learn core content knowledge and skills / मुख्य सामग्री ज्ञान और कौशल

2) How is aptitude distributed in human beings? / मानव जाति में अभिवृत्ति किस प्रकार से वितरित है?

1. The distribution is normal. / वितरण सामान्य है।
2. The distribution is scattered. / वितरण अस्तव्यस्त है।
3. The distribution is skewed. / वितरण विषम है।
4. The distribution is multifariously. / वितरण विविधतापूरण है।

Correct Answer :-

- The distribution is normal. / वितरण सामान्य है।

3) The mental representations or ideas about what things are and how we deal with them are called / कोई वस्तु क्या है और हम उसके साथ कैसे व्यवहार करते हैं, इस विषय में उससे जुड़े मानसिक प्रतिरूप या विचार को कहा जाता है:

1. Constructs / निर्माण
2. Networks / नेटवर्क
3. Schemas / स्कीमा
4. Structures / संरचना

Correct Answer :-

- Schemas / स्कीमा

4) In a classroom of 15 children where you have 15 different learning styles and 15 different personalities, child-centred teaching is: / 15 बच्चों की कक्षा में जहाँ आपके पास 15 अलग-अलग सीखने की शैली और 15 अलग-अलग व्यक्तित्व वाले बच्चे हैं, बाल-केन्द्रित शिक्षण:

1. Developing one lesson plan with one mode of teaching / एक शिक्षण प्रणाली के साथ एक पाठ योजना विकसित करना।
2. Developing a lesson plan by looking at every child and what his or her needs are / प्रत्येक बच्चे को देखकर एक पाठ योजना विकसित करती है, कि उसकी जरूरतें क्या हैं।
3. Developing a lesson plan targeting the middle of the class ability wise / कक्षा की क्षमता के मध्य को लक्षित करते हुए एक पाठ योजना विकसित करना।
4. Developing a lesson plan that fits all / एक पाठ योजना विकसित करती है, जो सभी के लिए उपयुक्त है।

Correct Answer :-

- Developing a lesson plan by looking at every child and what his or her needs are / प्रत्येक बच्चे को देखकर एक पाठ योजना विकसित करती है, कि उसकी जरूरतें क्या हैं।

5) **The theorist remembered as the "Father of Progressive education" is / "प्रगतिशील शिक्षा के जनक" के रूप में याद किए जाने वाले सिद्धांतकार हैं-**

1. Friedrich Fröbel / फ्रेडरिक फ्रोबेल

2. John Dewey / जॉन डूई

3. Jean Piaget / जीन पियाजे

4. Graham Gibbs / ग्राहम गिब्स

Correct Answer :-

- John Dewey / जॉन डूई

6) **Piaget named potentialities and abilities as: / पियाजे ने क्षमताओं और योग्यताओं को यह नाम दिया है:**

1. Schema / स्कीमा

2. Accommodation / समायोजन (एकोमेडेशन)

3. Ego centrism / अहंकेन्द्रभाव (इगो सेन्ट्रिज्म)

4. Assimilation / आत्मसात्करण

Correct Answer :-

- Schema / स्कीमा

7) **In Discovery Learning, the teacher plays the role of a _____ of learning. / अन्वेषण (डिस्कवरी) अधिगम में, शिक्षक अधिगम के एक _____ की भूमिका निभाते हैं।**

1. Counsellor / सलाहकार

2. Facilitator / समन्वयक

3. Manager / प्रबंधक

4. Inspirer / प्रेरक

Correct Answer :-

- Facilitator / समन्वयक

8) **Special Education is related to : / विशेष शिक्षा इससे संबंधित है:**

1. Training programmes for gifted children / प्रतिभाशाली बच्चों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

2. Training programmes for teachers / शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

3. Education for talented people / प्रतिभाशाली लोगों के लिए शिक्षा

4. Educational programmes for disabled / विकलांगों के लिए शैक्षिक कार्यक्रम

Correct Answer :-

- Educational programmes for disabled / विकलांगों के लिए शैक्षिक कार्यक्रम

9) **_________ intelligence is associated with faster development / _________ बुद्धिमत्ता, तीव्रतर विकास से जुड़ी है।**

1. No intelligence / कोई बुद्धि नहीं

2. Medium Intelligence / मध्यम बुद्धि

3. Higher / उच्च

4. Slower / मंद

Correct Answer :-

- Higher / उच्च

10) How do learning theories characterize the role of the parent in their child’s development? / अधिगम सिद्धांत, माता-पिता की भूमिका को उनके बच्चे के विकास में कैसे चिन्हित करते हैं?

1. As trainers / प्रशिक्षकों के रूप में
2. As teachers / शिक्षकों के रूप में
3. As partners / भागीदारों के रूप में
4. As supporters / समर्थकों के रूप में

Correct Answer :-

- As trainers / प्रशिक्षकों के रूप में

11) Sociometric analysis of a group is used in measuring personality as a/an _________ method. / एक समूह के समाजमिति विश्लेषण का उपयोग व्यक्तित्व को ___________ विधि के रूप में मापने के लिए किया जाता है।

1. Observational / प्रेक्षण
2. Objective / वस्तुनिष्ठ
3. Subjective / व्यक्तिनिष्ठ
4. Projective / प्रक्षेपी

Correct Answer :-

- Objective / वस्तुनिष्ठ

12) According to Williamson, which of the following is the benefit of Directive Counseling / विलियमसन के अनुसार, निम्नलिखित में से कौन निर्देशन परामर्श का लाभ है?

1. Emphasis is on the intellectual rather than the emotional aspect / भावनात्मक पहलू के बजाय बौद्धिक पर जोर दिया जाता है।
2. Does not guide counselee to be efficient and confident / कुशल और आश्वस्त होने के लिए परामर्श लेने वाले का मार्गदर्शन नहीं करता है।
3. Make counselee dependent / परामर्श लेने वाले को निर्भर बनाना।
4. Kills the initiative / पहल को दबाना

Correct Answer :-

- Emphasis is on the intellectual rather than the emotional aspect / भावनात्मक पहलू के बजाय बौद्धिक पर जोर दिया जाता है।

13) Orthotic devices are designed primarily to _______./ ऑर्थोटिक उपकरणों को मुख्य रूप से _______ के लिए डिज़ाइन किया गया है।

1. None of these / इनमें से कोई नहीं
2. support a body part / शरीर के अंगों को समर्थन देने
3. repair a body part / शरीर के हिस्से की मरम्मत करने
4. replace a missing body part / न होने वाले अंगों की जगह लगाने

Correct Answer :-

- support a body part / शरीर के अंगों को समर्थन देने

14) Assessments regarding the outcome of students’ learning is known as __________ assessment. / छात्रों के अधिगम के परिणाम के विषय में आकलन को __________ मूल्यांकन के रूप में जाना जाता है।

1. Diagnostic / नैदानिक
2. Benchmark / बेंचमार्क
3. Formative / रचनात्मक
4. Prognostic / निदान

Correct Answer :-

- Prognostic / निदान

15) Which of the following orientations falls under the stage of conventional morality according to Kohlberg? / निम्नलिखित में से कौन सा अनुकूलन (ओरिएंटेशन), कोहलबर्ग के अनुसार पारंपरिक नैतिकता के चरण के अंतर्गत आता है?

1. Orientation towards punishment and obedience/ दण्ड एवं आज्ञा के प्रति अनुकूलन (ओरिएंटेशन)
2. Social concern and conscience / सामाजिक सहानुभुति और विवेक
3. Morality of universal ethical principles / सार्वभौमिक नैतिक मूल्यों की नैतिकता
4. Instrumental purpose and exchange / सहायक उद्देश्य और विनिमय

Correct Answer :-

- Social concern and conscience / सामाजिक सहानुभुति और विवेक

16) Which of the following is not an example of extrinsic motivation? / निम्नलिखित में से कौन बाहयप्रेरणा का उदाहरण नहीं है?

1. Salary / वेतन
2. Praise / प्रशंसा
3. Passion / जुनून
4. Promotion / पदोन्नति

Correct Answer :-

- Passion / जुनून

17) Which of the following is TRUE when the teacher engages in Guidance and counselling of children with special needs in school education? / जब शिक्षक विद्यालयी शिक्षा में विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के मार्गदर्शन और परामर्श में व्यस्त रहते हैं, तो निम्न में से क्या सत्य है?

1. Teacher’s own professional growth is evident / शिक्षक का अपना व्यावसायिक विकास स्पष्ट है।
2. Teacher can get rewards, recognition and promotion / शिक्षक प्रोत्साहन, मान्यता और पदोन्नति पा सकते हैं।
3. Under the teacher's guidance, students will feel secure and more engaged in the learning process. / शिक्षक के मार्गदर्शन में, छात्र अधिगम की प्रक्रिया में सुरक्षित और अधिक व्यस्त महसूस करेंगे।
4. Under the teacher’s guidance, students get special attention./ शिक्षक के मार्गदर्शन में, छात्रों को विशेष अवधान प्राप्त होता है।

Correct Answer :-

- Under the teacher's guidance, students will feel secure and more engaged in the learning process. / शिक्षक के मार्गदर्शन में, छात्र अधिगम की प्रक्रिया में सुरक्षित और अधिक व्यस्त महसूस करेंगे।

18) Which of the following principles refers to the understanding that objects continue to exist even when they cannot be sensed? / निम्नलिखित में से कौन सा सिद्धांत इस समझ को संदर्भित करता है कि वस्तुएं तब भी मौजूद रहती हैं जब उन्हें देखा या अनुभव नहीं किया जा सकता?

1. Conservation / संरक्षण
2. Object permanence / वस्तु स्थायित्व
3. Theory of mind / मन का सिद्धांत
4. Animism / जीववाद

Correct Answer :-

- Object permanence / वस्तु स्थायित्व

19) Thorndike theory of trial and error learning has emphasized the importance of _____________. / प्रयत्न-त्रुटि अधिगम के थार्नडाइक सिद्धांत ने __________ के महत्व पर जोर दिया है।

1. Motivation / प्रेरणा

2. Rewards / पुरस्कार

3. Praise / प्रशंसा

4. Punishment / दंड

Correct Answer :-

- Motivation / प्रेरणा

20) Punishment and rewards are the components of ____________. / दंड और प्रोत्साहन ____________ के घटक हैं।

1. Behaviourism theory / व्यवहारवाद सिद्धांत

2. Design-Based Research methods / डिजाइन-आधारित अनुसंधान विधि

3. Humanism theory / मानवतावाद सिद्धांत

4. Connectivism theory/ संयोजकता सिद्धांत

Correct Answer :-

- Behaviourism theory / व्यवहारवाद सिद्धांत

21) Child-centered education uses / बाल-केंद्रित शिक्षा निम्न का उपयोग करता है:

1. Divergent exposure / विविध प्रदर्शन

2. Year-end appraisal / वर्ष-अंत मूल्यांकन

3. Linear exposure / रैखिक प्रदर्शन

4. Disciplinary force / अनुशासनात्मक बल

Correct Answer :-

- Divergent exposure / विविध प्रदर्शन

22) OCD denotes: / ओसीडी का अर्थ है:

1. Obsessive Conduct Disorder / ऑब्सेसिव कंडक्ट डिस्ऑर्डर

2. Obsessive Compulsive Disorder / ऑब्सेसिव कम्पल्सिव डिस्ऑर्डर

3. Oppositional Compulsive Disease / अपोजिशनल कम्पल्सिव डिसीज़

4. Oppositional Cognitive Disorder / अपोजिशनल कॉग्नीटिव डिस्ऑर्डर

Correct Answer :-

- Obsessive Compulsive Disorder / ऑब्सेसिव कम्पल्सिव डिस्ऑर्डर

23) The same-sex friendship prevails during _____./ समान-लिंग मित्रता _______ के दौरान प्रबलित होती है।

1. Early adolescence / प्रारंभिक किशोरावस्था

2. Early childhood / प्रारंभिक बचपन

3. Late adolescence / मध्य किशोरावस्था

4. Late childhood / मध्य बचपन

Correct Answer :-

- Early adolescence / प्रारंभिक किशोरावस्था

24) The flexibility of children to adjust to any circumstance is known as _____. / किसी भी परिस्थिति में समायोजित होने वाले बच्चों के लचीलेपन को ______ के रूप में जाना जाता है।

1. Rigidity / दृढ़ता

2. Desirability / वांछनीयता

3. Inability / अक्षमता

4. Plasticity / ढलनशीलता

Correct Answer :-

- Plasticity / ढलनशीलता

25) **What IQ score tends to identify gifted children? / प्रतिभाशाली बच्चों की पहचान करने में कौन-सा आईक्यू स्कोर प्रवृत्त होता है?**

1. 170 or higher / 170 या अधिक

2. 130 or higher / 130 या अधिक

3. 70 or higher / 70 या अधिक

4. 120 or higher / 120 या अधिक

Correct Answer :-

- 130 or higher / 130 या अधिक

26) **What type of response is learned through the process of classical conditioning? / शास्त्रीय अनुबंधन (क्लासिकल कंडीशनिंग) की प्रक्रिया के माध्यम से किस प्रकार की प्रतिक्रिया सीखी जाती है?**

1. Unconditioned response / असुविधाजनक प्रतिक्रिया

2. Reinforced response / प्रबलित प्रतिक्रिया

3. Conditioned response / वातानुकूलित प्रतिक्रिया

4. Neutral response / तटस्थ प्रतिक्रिया

Correct Answer :-

- Conditioned response / वातानुकूलित प्रतिक्रिया

27) **The best method to study growth and development of the child is / किसी बच्चे की वृद्धि और विकास का अध्ययन करने का सर्वोत्तम तरीका है:**

1. Comparative Method / तुलनात्मक विधि

2. Developmental method / विकासात्मक विधि

3. Statistical Method/ सांख्यिकीय विधि

4. Psychoanalytic method / मनोविश्लेषणात्मक विधि

Correct Answer :-

- Developmental method / विकासात्मक विधि

28) **Hierarchy of needs is an important perspective of motivation was propounded by / आवश्यकताओं का पदानुक्रम, प्रेरणा का एक महत्वपूर्ण परिप्रेक्ष्य है, जिसे इनके द्वारा प्रतिपादित किया गया था:**

1. Maslow / मास्लो

2. Piaget / पियाजे

3. Pavlov / पावलाव

4. Freud / फ्रायड

Correct Answer :-

- Maslow / मास्लो

29) **Which of the following operations helps us to validate information? / निम्नलिखित में से कौन सी कार्य-विधि (ऑपरेशन) हमें जानकारी को मान्य करने में मदद करती है?**

1. Evaluation / मूल्यांकन

2. Divergent thinking / अपसारी चिंतन

3. Convergent thinking / अभिसारी चिंतन

4. Cognition / संज्ञान

Correct Answer :-

- Evaluation / मूल्यांकन

---

30) Among the following, mutual support is found more in / निम्नलिखित में से पारस्परिक सहयोग इसमें अधिक पाया जाता है:

1. Groups / समूह

2. Teams / टीम

3. Society / समाज

4. Classrooms / कक्षागृह

Correct Answer :-

- Teams / टीम

Topic:- General Hindi (L1GH)

1) धीरे-धीरे सब कुछ बदल रहा है। एक नई जीवन-शैली अपना वर्चस्व स्थापित कर रही है। उसके साथ आ रहा है एक नया जीवन-दर्शन-उपभोक्तावाद का दर्शन। उत्पादन बढ़ाने पर ज़ोर है चारों ओर। यह उत्पादन आपके लिए है; आपके भोग के लिए है, आपके सुख के लिए है। 'सुख' की व्याख्या बदल गई है। उपभोग-भोग ही सुख है। एक सूक्ष्म बदलाव आया है नई स्थिति में। उत्पाद तो आपके लिए हैं, पर आप यह भूल जाते हैं कि जाने-अनजाने आज के माहौल में आपका चरित्र भी बदल रहा है और आप उत्पाद को समर्पित होते जा रहे हैं।

विलासिता की सामग्रियों से बाज़ार भरा पड़ा है, जो आपको लुभाने की जी-तोड़ कोशिश में निरंतर लगी रहती हैं। दैनिक जीवन में काम आने वाली वस्तुओं को ही लीजिए। टूथ-पेस्ट चाहिए? यह दाँतों को मोती जैसा चमकीला बनाता है, यह मुँह की दुर्गंध हटाता है। यह मसूड़ों को मज़बूत करता है और यह 'पूर्ण सुरक्षा' देता है। वह सब करके जो तीन-चार पेस्ट अलग-अलग करते हैं, किसी पेस्ट का 'मैजिक' फॉर्मूला है। कोई बबूल या नीम के गुणों से भरपूर है, कोई ऋषि-मुनियों द्वारा स्वीकृत तथा मान्य वनस्पति और खनिज तत्वों से बना है। जो चाहे चुन लीजिए। यदि पेस्ट अच्छा है, तो ब्रुश भी अच्छा होना चाहिए। आकार, रंग, बनावट, पहुँच और सफाई की क्षमता में अलग-अलग, एक से बढ़कर एक। मुँह की दुर्गंध से बचने के लिए माउथ वाश भी चाहिए। सूची और भी लंबी हो सकती है; पर इतनी ही चीज़ों का बिल काफ़ी बड़ा हो जाएगा, क्योंकि आप शायद बहुविज्ञापित और क़ीमती ब्रांड ही ख़रीदना पसंद करें। सौंदर्य प्रसाधनों की भीड़ तो चमत्कृत कर देनी वाली है-हर माह उसमें नये-नये उत्पाद जुड़ते जाते हैं। साबुन ही देखिये, एक में हल्की खुशबू है, दूसरे में तेज़। एक दिनभर आपके शरीर को तरो-ताज़ा रखता है, दूसरा पसीना रोकता है, तीसरा जर्म्स से आपकी रक्षा करता है। यह लीजिए सिने स्टार्स के सौंदर्य का रहस्य, उनका मनपसंद साबुन। सच्चाई का अर्थ समझना चाहते हैं, यह लीजिए। शरीर को पवित्र रखना चाहते हैं। यह लीजिए शुद्ध गंगाजल में बनी साबुन। चमड़ी को नर्म रखने के लिए यह लीजिए-महँगी है, पर आपके सौंदर्य में निखार ला देगी। संभ्रांत महिलाओं की ड्रेसिंग टेबल पर तीस-तीस हज़ार की सौंदर्य सामग्री होना तो मामूली बात है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: इस बदलाव में आपका क्या बदल रहा है और आप किसको समर्पित होते जा रहे हैं?

1. चरित्र और उत्पाद

2. प्रेम और स्नेह

3. सौंदर्य और सुख

4. जीवन-शैली और सुख

Correct Answer :-

- चरित्र और उत्पाद

---

2) **धीरे-धीरे सब कुछ बदल रहा है। एक नई जीवन-शैली अपना वर्चस्व स्थापित कर रही है। उसके साथ आ रहा है एक नया जीवन-दर्शन-उपभोक्तावाद का दर्शन। उत्पादन बढ़ाने पर ज़ोर है चारों ओर। यह उत्पादन आपके लिए है; आपके भोग के लिए है, आपके सुख के लिए है। 'सुख' की व्याख्या बदल गई है। उपभोग-भोग ही सुख है। एक सूक्ष्म बदलाव आया है नई स्थिति में। उत्पाद तो आपके लिए हैं, पर आप यह भूल जाते हैं कि जाने-अनजाने आज के माहौल में आपका चरित्र भी बदल रहा है और आप उत्पाद को समर्पित होते जा रहे हैं।**

विलासिता की सामग्रियों से बाज़ार भरा पड़ा है, जो आपको लुभाने की जी-तोड़ कोशिश में निरंतर लगी रहती हैं। दैनिक जीवन में काम आने वाली वस्तुओं को ही लीजिए। टूथ-पेस्ट चाहिए? यह दाँतों को मोती जैसा चमकीला बनाता है, यह मुँह की दुर्गंध हटाता है। यह मसूड़ों को मज़बूत करता है और यह 'पूर्ण सुरक्षा' देता है। वह सब करके जो तीन-चार पेस्ट अलग-अलग करते हैं, किसी पेस्ट का 'मैजिक' फॉर्मूला है। कोई बबूल या नीम के गुणों से भरपूर है, कोई ऋषि-मुनियों द्वारा स्वीकृत तथा मान्य वनस्पति और खनिज तत्वों से बना है। जो चाहे चुन लीजिए। यदि पेस्ट अच्छा है, तो ब्रुश भी अच्छा होना चाहिए। आकार, रंग, बनावट, पहुँच और सफाई की क्षमता में अलग-अलग, एक से बढ़कर एक। मुँह की दुर्गंध से बचने के लिए माउथ वाश भी चाहिए। सूची और भी लंबी हो सकती है; पर इतनी ही चीज़ों का बिल काफ़ी बड़ा हो जाएगा, क्योंकि आप शायद बहुविज्ञापित और क़ीमती ब्रांड ही ख़रीदना पसंद करें। सौंदर्य प्रसाधनों की भीड़ तो चमत्कृत कर देनी वाली है-हर माह उसमें नये-नये उत्पाद जुड़ते जाते हैं। साबुन ही देखिये, एक में हल्की खुशबू है, दूसरे में तेज़। एक दिनभर आपके शरीर को तरो-ताज़ा रखता है, दूसरा पसीना रोकता है, तीसरा जर्म्स से आपकी रक्षा करता है। यह लीजिए सिने स्टार्स के सौंदर्य का रहस्य, उनका मनपसंद साबुन। सच्चाई का अर्थ समझना चाहते हैं, यह लीजिए। शरीर को पवित्र रखना चाहते हैं। यह लीजिए शुद्ध गंगाजल में बनी साबुन। चमड़ी को नर्म रखने के लिए यह लीजिए-महँगी है, पर आपके सौंदर्य में निखार ला देगी। संभ्रांत महिलाओं की ड्रेसिंग टेबल पर तीस-तीस हज़ार की सौंदर्य सामग्री होना तो मामूली बात है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: उपभोक्ता को क्या 'पूर्ण सुरक्षा' देता है?

1. माउथ-वाश

2. बॉडी लोशन

3. टूथ-पेस्ट

4. टूथ-ब्रश

Correct Answer :-

- टूथ-पेस्ट

---

3) धीरे-धीरे सब कुछ बदल रहा है। एक नई जीवन-शैली अपना वर्चस्व स्थापित कर रही है। उसके साथ आ रहा है एक नया जीवन-दर्शन-उपभोक्तावाद का दर्शन। उत्पादन बढ़ाने पर ज़ोर है चारों ओर। यह उत्पादन आपके लिए है; आपके भोग के लिए है, आपके सुख के लिए है। 'सुख' की व्याख्या बदल गई है। उपभोग-भोग ही सुख है। एक सूक्ष्म बदलाव आया है नई स्थिति में। उत्पाद तो आपके लिए हैं, पर आप यह भूल जाते हैं कि जाने-अनजाने आज के माहौल में आपका चरित्र भी बदल रहा है और आप उत्पाद को समर्पित होते जा रहे हैं।

विलासिता की सामग्रियों से बाज़ार भरा पड़ा है, जो आपको लुभाने की जी-तोड़ कोशिश में निरंतर लगी रहती हैं। दैनिक जीवन में काम आने वाली वस्तुओं को ही लीजिए। टूथ-पेस्ट चाहिए? यह दाँतों को मोती जैसा चमकीला बनाता है, यह मुँह की दुर्गंध हटाता है। यह मसूड़ों को मज़बूत करता है और यह 'पूर्ण सुरक्षा' देता है। वह सब करके जो तीन-चार पेस्ट अलग-अलग करते हैं, किसी पेस्ट का 'मैजिक' फॉर्मूला है। कोई बबूल या नीम के गुणों से भरपूर है, कोई ऋषि-मुनियों द्वारा स्वीकृत तथा मान्य वनस्पति और खनिज तत्वों से बना है। जो चाहे चुन लीजिए। यदि पेस्ट अच्छा है, तो ब्रुश भी अच्छा होना चाहिए। आकार, रंग, बनावट, पहुँच और सफाई की क्षमता में अलग-अलग, एक से बढ़कर एक। मुँह की दुर्गंध से बचने के लिए माउथ वाश भी चाहिए। सूची और भी लंबी हो सकती है; पर इतनी ही चीज़ों का बिल काफ़ी बड़ा हो जाएगा, क्योंकि आप शायद बहुविज्ञापित और क़ीमती ब्रांड ही ख़रीदना पसंद करें। सौंदर्य प्रसाधनों की भीड़ तो चमत्कृत कर देनी वाली है-हर माह उसमें नये-नये उत्पाद जुड़ते जाते हैं। साबुन ही देखिये, एक में हल्की खुशबू है, दूसरे में तेज़। एक दिनभर आपके शरीर को तरो-ताज़ा रखता है, दूसरा पसीना रोकता है, तीसरा जर्म्स से आपकी रक्षा करता है। यह लीजिए सिने स्टार्स के सौंदर्य का रहस्य, उनका मनपसंद साबुन। सच्चाई का अर्थ समझना चाहते हैं, यह लीजिए। शरीर को पवित्र रखना चाहते हैं। यह लीजिए शुद्ध गंगाजल में बनी साबुन। चमड़ी को नर्म रखने के लिए यह लीजिए-महँगी है, पर आपके सौंदर्य में निखार ला देगी। संभ्रांत महिलाओं की ड्रेसिंग टेबल पर तीस-तीस हज़ार की सौंदर्य सामग्री होना तो मामूली बात है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: यदि टूथ-पेस्ट अच्छा हो, तो और क्या अच्छा होना चाहिए?

1. फेस वाश

2. शैंपू

3. टूथ-ब्रश

4. माउथ-वाश

Correct Answer :-

- टूथ-ब्रश

---

4) धीरे-धीरे सब कुछ बदल रहा है। एक नई जीवन-शैली अपना वर्चस्व स्थापित कर रही है। उसके साथ आ रहा है एक नया जीवन-दर्शन-उपभोक्तावाद का दर्शन। उत्पादन बढ़ाने पर ज़ोर है चारों ओर। यह उत्पादन आपके लिए है; आपके भोग के लिए है, आपके सुख के लिए है। 'सुख' की व्याख्या बदल गई है। उपभोग-भोग ही सुख है। एक सूक्ष्म बदलाव आया है नई स्थिति में। उत्पाद तो आपके लिए हैं, पर आप यह भूल जाते हैं कि जाने-अनजाने आज के माहौल में आपका चरित्र भी बदल रहा है और आप उत्पाद को समर्पित होते जा रहे हैं।

विलासिता की सामग्रियों से बाज़ार भरा पड़ा है, जो आपको लुभाने की जी-तोड़ कोशिश में निरंतर लगी रहती हैं। दैनिक जीवन में काम आने वाली वस्तुओं को ही लीजिए। टूथ-पेस्ट चाहिए? यह दाँतों को मोती जैसा चमकीला बनाता है, यह मुँह की दुर्गंध हटाता है। यह मसूड़ों को मज़बूत करता है और यह 'पूर्ण सुरक्षा' देता है। वह सब करके जो तीन-चार पेस्ट अलग-अलग करते हैं, किसी पेस्ट का 'मैजिक' फॉर्मूला है। कोई बबूल या नीम के गुणों से भरपूर है, कोई ऋषि-मुनियों द्वारा स्वीकृत तथा मान्य वनस्पति और खनिज तत्वों से बना है। जो चाहे चुन लीजिए। यदि पेस्ट अच्छा है, तो ब्रुश भी अच्छा होना चाहिए। आकार, रंग, बनावट, पहुँच और सफाई की क्षमता में अलग-अलग, एक से बढ़कर एक। मुँह की दुर्गंध से बचने के लिए माउथ वाश भी चाहिए। सूची और भी लंबी हो सकती है; पर इतनी ही चीज़ों का बिल काफ़ी बड़ा हो जाएगा, क्योंकि आप शायद बहुविज्ञापित और क़ीमती ब्रांड ही ख़रीदना पसंद करें। सौंदर्य प्रसाधनों की भीड़ तो चमत्कृत कर देनी वाली है-हर माह उसमें नये-नये उत्पाद जुड़ते जाते हैं। साबुन ही देखिये, एक में हल्की खुशबू है, दूसरे में तेज़। एक दिनभर आपके शरीर को तरो-ताज़ा रखता है, दूसरा पसीना रोकता है, तीसरा जर्म्स से आपकी रक्षा करता है। यह लीजिए सिने स्टार्स के सौंदर्य का रहस्य, उनका मनपसंद साबुन। सच्चाई का अर्थ समझना चाहते हैं, यह लीजिए। शरीर को पवित्र रखना चाहते हैं। यह लीजिए शुद्ध गंगाजल में बनी साबुन। चमड़ी को नर्म रखने के लिए यह लीजिए-महँगी है, पर आपके सौंदर्य में निखार ला देगी। संभ्रांत महिलाओं की ड्रेसिंग टेबल पर तीस-तीस हज़ार की सौंदर्य सामग्री होना तो मामूली बात है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: किस वर्ग की महिलाओं की ड्रेसिंग टेबल पर कितने क़ीमत की चीजें होती हैं?

1. संभ्रांत और तीस हज़ार

2. मध्यवर्ग और दस हज़ार

3. निम्नवर्ग और सौ रूपये

4. उच्च मध्यवर्ग और सस्ते

Correct Answer :-

- संभ्रांत और तीस हज़ार

---

5) धीरे-धीरे सब कुछ बदल रहा है। एक नई जीवन-शैली अपना वर्चस्व स्थापित कर रही है। उसके साथ आ रहा है एक नया जीवन-दर्शन-उपभोक्तावाद का दर्शन। उत्पादन बढ़ाने पर ज़ोर है चारों ओर। यह उत्पादन आपके लिए है; आपके भोग के लिए है, आपके सुख के लिए है। 'सुख' की व्याख्या बदल गई है। उपभोग-भोग ही सुख है। एक सूक्ष्म बदलाव आया है नई स्थिति में। उत्पाद तो आपके लिए हैं, पर आप यह भूल जाते हैं कि जाने-अनजाने आज के माहौल में आपका चरित्र भी बदल रहा है और आप उत्पाद को समर्पित होते जा रहे हैं।

विलासिता की सामग्रियों से बाज़ार भरा पड़ा है, जो आपको लुभाने की जी-तोड़ कोशिश में निरंतर लगी रहती हैं। दैनिक जीवन में काम आने वाली वस्तुओं को ही लीजिए। टूथ-पेस्ट चाहिए? यह दाँतों को मोती जैसा चमकीला बनाता है, यह मुँह की दुर्गंध हटाता है। यह मसूड़ों को मज़बूत करता है और यह 'पूर्ण सुरक्षा' देता है। वह सब करके जो तीन-चार पेस्ट अलग-अलग करते हैं, किसी पेस्ट का 'मैजिक' फॉर्मूला है। कोई बबूल या नीम के गुणों से भरपूर है, कोई ऋषि-मुनियों द्वारा स्वीकृत तथा मान्य वनस्पति और खनिज तत्वों से बना है। जो चाहे चुन लीजिए। यदि पेस्ट अच्छा है, तो ब्रुश भी अच्छा होना चाहिए। आकार, रंग, बनावट, पहुँच और सफाई की क्षमता में अलग-अलग, एक से बढ़कर एक। मुँह की दुर्गंध से बचने के लिए माउथ वाश भी चाहिए। सूची और भी लंबी हो सकती है; पर इतनी ही चीज़ों का बिल काफ़ी बड़ा हो जाएगा, क्योंकि आप शायद बहुविज्ञापित और क़ीमती ब्रांड ही ख़रीदना पसंद करें। सौंदर्य प्रसाधनों की भीड़ तो चमत्कृत कर देनी वाली है-हर माह उसमें नये-नये उत्पाद जुड़ते जाते हैं। साबुन ही देखिये, एक में हल्की खुशबू है, दूसरे में तेज़। एक दिनभर आपके शरीर को तरो-ताज़ा रखता है, दूसरा पसीना रोकता है, तीसरा जर्म्स से आपकी रक्षा करता है। यह लीजिए सिने स्टार्स के सौंदर्य का रहस्य, उनका मनपसंद साबुन। सच्चाई का अर्थ समझना चाहते हैं, यह लीजिए। शरीर को पवित्र रखना चाहते हैं। यह लीजिए शुद्ध गंगाजल में बनी साबुन। चमड़ी को नर्म रखने के लिए यह लीजिए-महँगी है, पर आपके सौंदर्य में निखार ला देगी। संभ्रांत महिलाओं की ड्रेसिंग टेबल पर तीस-तीस हज़ार की सौंदर्य सामग्री होना तो मामूली बात है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: किसमें ऋषि-मुनियों द्वारा स्वीकृत तथा मान्य वनस्पतियों के मिश्रण का दावा किया जाता है?

1. माउथ-वाश में

2. टूथ-पेस्ट में

3. सौंदर्य प्रसाधन में

4. बॉडी लोशन में

Correct Answer :-

- टूथ-पेस्ट में

6) **धीरे-धीरे सब कुछ बदल रहा है। एक नई जीवन-शैली अपना वर्चस्व स्थापित कर रही है। उसके साथ आ रहा है एक नया जीवन-दर्शन-उपभोक्तावाद का दर्शन। उत्पादन बढ़ाने पर ज़ोर है चारों ओर। यह उत्पादन आपके लिए है; आपके भोग के लिए है, आपके सुख के लिए है। 'सुख' की व्याख्या बदल गई है। उपभोग-भोग ही सुख है। एक सूक्ष्म बदलाव आया है नई स्थिति में। उत्पाद तो आपके लिए हैं, पर आप यह भूल जाते हैं कि जाने-अनजाने आज के माहौल में आपका चरित्र भी बदल रहा है और आप उत्पाद को समर्पित होते जा रहे हैं।**

विलासिता की सामग्रियों से बाज़ार भरा पड़ा है, जो आपको लुभाने की जी-तोड़ कोशिश में निरंतर लगी रहती हैं। दैनिक जीवन में काम आने वाली वस्तुओं को ही लीजिए। टूथ-पेस्ट चाहिए? यह दाँतों को मोती जैसा चमकीला बनाता है, यह मुँह की दुर्गंध हटाता है। यह मसूड़ों को मज़बूत करता है और यह 'पूर्ण सुरक्षा' देता है। वह सब करके जो तीन-चार पेस्ट अलग-अलग करते हैं, किसी पेस्ट का 'मैजिक' फॉर्मूला है। कोई बबूल या नीम के गुणों से भरपूर है, कोई ऋषि-मुनियों द्वारा स्वीकृत तथा मान्य वनस्पति और खनिज तत्वों से बना है। जो चाहे चुन लीजिए। यदि पेस्ट अच्छा है, तो ब्रुश भी अच्छा होना चाहिए। आकार, रंग, बनावट, पहुँच और सफाई की क्षमता में अलग-अलग, एक से बढ़कर एक। मुँह की दुर्गंध से बचने के लिए माउथ वाश भी चाहिए। सूची और भी लंबी हो सकती है; पर इतनी ही चीज़ों का बिल काफ़ी बड़ा हो जाएगा, क्योंकि आप शायद बहुविज्ञापित और क़ीमती ब्रांड ही ख़रीदना पसंद करें। सौंदर्य प्रसाधनों की भीड़ तो चमत्कृत कर देनी वाली है-हर माह उसमें नये-नये उत्पाद जुड़ते जाते हैं। साबुन ही देखिये, एक में हल्की खुशबू है, दूसरे में तेज़। एक दिनभर आपके शरीर को तरो-ताज़ा रखता है, दूसरा पसीना रोकता है, तीसरा जर्म्स से आपकी रक्षा करता है। यह लीजिए सिने स्टार्स के सौंदर्य का रहस्य, उनका मनपसंद साबुन। सच्चाई का अर्थ समझना चाहते हैं, यह लीजिए। शरीर को पवित्र रखना चाहते हैं। यह लीजिए शुद्ध गंगाजल में बनी साबुन। चमड़ी को नर्म रखने के लिए यह लीजिए-महँगी है, पर आपके सौंदर्य में निखार ला देगी। संभ्रांत महिलाओं की ड्रेसिंग टेबल पर तीस-तीस हज़ार की सौंदर्य सामग्री होना तो मामूली बात है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: किसकी भीड़ चमत्कृत कर देने वाली है?

1. दुकानदारों की

2. उपभोक्ताओं की

3. सौंदर्य प्रसाधनों की

4. विज्ञापनों की

Correct Answer :-

- सौंदर्य प्रसाधनों की

7) **धीरे-धीरे सब कुछ बदल रहा है। एक नई जीवन-शैली अपना वर्चस्व स्थापित कर रही है। उसके साथ आ रहा है एक नया जीवन-दर्शन-उपभोक्तावाद का दर्शन। उत्पादन बढ़ाने पर ज़ोर है चारों ओर। यह उत्पादन आपके लिए है; आपके भोग के लिए है, आपके सुख के लिए है। 'सुख' की व्याख्या बदल गई है। उपभोग-भोग ही सुख है। एक सूक्ष्म बदलाव आया है नई स्थिति में। उत्पाद तो आपके लिए हैं, पर आप यह भूल जाते हैं कि जाने-अनजाने आज के माहौल में आपका चरित्र भी बदल रहा है और आप उत्पाद को समर्पित होते जा रहे हैं।**

विलासिता की सामग्रियों से बाज़ार भरा पड़ा है, जो आपको लुभाने की जी-तोड़ कोशिश में निरंतर लगी रहती हैं। दैनिक जीवन में काम आने वाली वस्तुओं को ही लीजिए। टूथ-पेस्ट चाहिए? यह दाँतों को मोती जैसा चमकीला बनाता है, यह मुँह की दुर्गंध हटाता है। यह मसूड़ों को मज़बूत करता है और यह 'पूर्ण सुरक्षा' देता है। वह सब करके जो तीन-चार पेस्ट अलग-अलग करते हैं, किसी पेस्ट का 'मैजिक' फॉर्मूला है। कोई बबूल या नीम के गुणों से भरपूर है, कोई ऋषि-मुनियों द्वारा स्वीकृत तथा मान्य वनस्पति और खनिज तत्वों से बना है। जो चाहे चुन लीजिए। यदि पेस्ट अच्छा है, तो ब्रुश भी अच्छा होना चाहिए। आकार, रंग, बनावट, पहुँच और सफाई की क्षमता में अलग-अलग, एक से बढ़कर एक। मुँह की दुर्गंध से बचने के लिए माउथ वाश भी चाहिए। सूची और भी लंबी हो सकती है; पर इतनी ही चीज़ों का बिल काफ़ी बड़ा हो जाएगा, क्योंकि आप शायद बहुविज्ञापित और क़ीमती ब्रांड ही ख़रीदना पसंद करें। सौंदर्य प्रसाधनों की भीड़ तो चमत्कृत कर देनी वाली है-हर माह उसमें नये-नये उत्पाद जुड़ते जाते हैं। साबुन ही देखिये, एक में हल्की खुशबू है, दूसरे में तेज़। एक दिनभर आपके शरीर को तरो-ताज़ा रखता है, दूसरा पसीना रोकता है, तीसरा जर्म्स से आपकी रक्षा करता है। यह लीजिए सिने स्टार्स के सौंदर्य का रहस्य, उनका मनपसंद साबुन। सच्चाई का अर्थ समझना चाहते हैं, यह लीजिए। शरीर को पवित्र रखना चाहते हैं। यह लीजिए शुद्ध गंगाजल में बनी साबुन। चमड़ी को नर्म रखने के लिए यह लीजिए-महँगी है, पर आपके सौंदर्य में निखार ला देगी। संभ्रांत महिलाओं की ड्रेसिंग टेबल पर तीस-तीस हज़ार की सौंदर्य सामग्री होना तो मामूली बात है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: आकार, रंग, बनावट, पहुँच और सफाई की क्षमता में अलग-अलग क्या उपलब्ध है?

1. सौंदर्य प्रसाधन

2. इनमें से कोई नहीं

3. तेल

4. साबुन

Correct Answer :-

- इनमें से कोई नहीं

8) **धीरे-धीरे सब कुछ बदल रहा है। एक नई जीवन-शैली अपना वर्चस्व स्थापित कर रही है। उसके साथ आ रहा है एक नया जीवन-दर्शन-उपभोक्तावाद का दर्शन। उत्पादन बढ़ाने पर ज़ोर है चारों ओर। यह उत्पादन आपके लिए है; आपके भोग के लिए है, आपके सुख के लिए है। 'सुख' की व्याख्या बदल गई है। उपभोग-भोग ही सुख है। एक सूक्ष्म बदलाव आया है नई स्थिति में। उत्पाद तो आपके लिए हैं, पर आप यह भूल जाते हैं कि जाने-अनजाने आज के माहौल में आपका चरित्र भी बदल रहा है और आप उत्पाद को समर्पित होते जा रहे हैं।**

विलासिता की सामग्रियों से बाज़ार भरा पड़ा है, जो आपको लुभाने की जी-तोड़ कोशिश में निरंतर लगी रहती हैं। दैनिक जीवन में काम आने वाली वस्तुओं को ही लीजिए। टूथ-पेस्ट चाहिए? यह दाँतों को मोती जैसा चमकीला बनाता है, यह मुँह की दुर्गंध हटाता है। यह मसूड़ों को मज़बूत करता है और यह 'पूर्ण सुरक्षा' देता है। वह सब करके जो तीन-चार पेस्ट अलग-अलग करते हैं, किसी पेस्ट का 'मैजिक' फॉर्मूला है। कोई बबूल या नीम के गुणों से भरपूर है, कोई ऋषि-मुनियों द्वारा स्वीकृत तथा मान्य वनस्पति और खनिज तत्वों से बना है।

जो चाहे चुन लीजिए। यदि पेस्ट अच्छा है, तो ब्रुश भी अच्छा होना चाहिए। आकार, रंग, बनावट, पहुँच और सफाई की क्षमता में अलग-अलग, एक से बढ़कर एक। मुँह की दुर्गंध से बचने के लिए माउथ वाश भी चाहिए। सूची और भी लंबी हो सकती है; पर इतनी ही चीज़ों का बिल काफ़ी बड़ा हो जाएगा, क्योंकि आप शायद बहुविज्ञापित और क़ीमती ब्रांड ही ख़रीदना पसंद करें। सौंदर्य प्रसाधनों की भीड़ तो चमत्कृत कर देनी वाली है-हर माह उसमें नये-नये उत्पाद जुड़ते जाते हैं। साबुन ही देखिये, एक में हल्की खुशबू है, दूसरे में तेज़। एक दिनभर आपके शरीर को तरो-ताज़ा रखता है, दूसरा पसीना रोकता है, तीसरा जर्म्स से आपकी रक्षा करता है। यह लीजिए सिने स्टार्स के सौंदर्य का रहस्य, उनका मनपसंद साबुन। सच्चाई का अर्थ समझना चाहते हैं, यह लीजिए। शरीर को पवित्र रखना चाहते हैं। यह लीजिए शुद्ध गंगाजल में बनी साबुन। चमड़ी को नर्म रखने के लिए यह लीजिए-महँगी है, पर आपके सौंदर्य में निखार ला देगी। संभ्रांत महिलाओं की ड्रेसिंग टेबल पर तीस-तीस हज़ार की सौंदर्य सामग्री होना तो मामूली बात है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: कुछ ख़रीदते समय आप किन चीज़ों पर ज़्यादा ध्यान देते हैं?

1. कम क़ीमत

2. बहुविज्ञापित और क़ीमती ब्रांड

3. मजबूत सामान

4. टिकाऊ सामान

Correct Answer :-

- बहुविज्ञापित और क़ीमती ब्रांड

---

9) धीरे-धीरे सब कुछ बदल रहा है। एक नई जीवन-शैली अपना वर्चस्व स्थापित कर रही है। उसके साथ आ रहा है एक नया जीवन-दर्शन-उपभोक्तावाद का दर्शन। उत्पादन बढ़ाने पर ज़ोर है चारों ओर। यह उत्पादन आपके लिए है; आपके भोग के लिए है, आपके सुख के लिए है। 'सुख' की व्याख्या बदल गई है। उपभोग-भोग ही सुख है। एक सूक्ष्म बदलाव आया है नई स्थिति में। उत्पाद तो आपके लिए हैं, पर आप यह भूल जाते हैं कि जाने-अनजाने आज के माहौल में आपका चरित्र भी बदल रहा है और आप उत्पाद को समर्पित होते जा रहे हैं।

विलासिता की सामग्रियों से बाज़ार भरा पड़ा है, जो आपको लुभाने की जी-तोड़ कोशिश में निरंतर लगी रहती हैं। दैनिक जीवन में काम आने वाली वस्तुओं को ही लीजिए। टूथ-पेस्ट चाहिए? यह दाँतों को मोती जैसा चमकीला बनाता है, यह मुँह की दुर्गंध हटाता है। यह मसूड़ों को मज़बूत करता है और यह 'पूर्ण सुरक्षा' देता है। वह सब करके जो तीन-चार पेस्ट अलग-अलग करते हैं, किसी पेस्ट का 'मैजिक' फॉर्मूला है। कोई बबूल या नीम के गुणों से भरपूर है, कोई ऋषि-मुनियों द्वारा स्वीकृत तथा मान्य वनस्पति और खनिज तत्वों से बना है। जो चाहे चुन लीजिए। यदि पेस्ट अच्छा है, तो ब्रुश भी अच्छा होना चाहिए। आकार, रंग, बनावट, पहुँच और सफाई की क्षमता में अलग-अलग, एक से बढ़कर एक। मुँह की दुर्गंध से बचने के लिए माउथ वाश भी चाहिए। सूची और भी लंबी हो सकती है; पर इतनी ही चीज़ों का बिल काफ़ी बड़ा हो जाएगा, क्योंकि आप शायद बहुविज्ञापित और क़ीमती ब्रांड ही ख़रीदना पसंद करें। सौंदर्य प्रसाधनों की भीड़ तो चमत्कृत कर देनी वाली है-हर माह उसमें नये-नये उत्पाद जुड़ते जाते हैं। साबुन ही देखिये, एक में हल्की खुशबू है, दूसरे में तेज़। एक दिनभर आपके शरीर को तरो-ताज़ा रखता है, दूसरा पसीना रोकता है, तीसरा जर्म्स से आपकी रक्षा करता है। यह लीजिए सिने स्टार्स के सौंदर्य का रहस्य, उनका मनपसंद साबुन। सच्चाई का अर्थ समझना चाहते हैं, यह लीजिए। शरीर को पवित्र रखना चाहते हैं। यह लीजिए शुद्ध गंगाजल में बनी साबुन। चमड़ी को नर्म रखने के लिए यह लीजिए-महँगी है, पर आपके सौंदर्य में निखार ला देगी। संभ्रांत महिलाओं की ड्रेसिंग टेबल पर तीस-तीस हज़ार की सौंदर्य सामग्री होना तो मामूली बात है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: कौन-सा उत्पाद आपको दिन भर तरो-ताज़ा रखने का दावा करता है?

1. शैंपू

2. तेल

3. साबुन

4. पेस्ट

Correct Answer :-

- साबुन

---

10) धीरे-धीरे सब कुछ बदल रहा है। एक नई जीवन-शैली अपना वर्चस्व स्थापित कर रही है। उसके साथ आ रहा है एक नया जीवन-दर्शन-उपभोक्तावाद का दर्शन। उत्पादन बढ़ाने पर ज़ोर है चारों ओर। यह उत्पादन आपके लिए है; आपके भोग के लिए है, आपके सुख के लिए है। 'सुख' की व्याख्या बदल गई है। उपभोग-भोग ही सुख है। एक सूक्ष्म बदलाव आया है नई स्थिति में। उत्पाद तो आपके लिए हैं, पर आप यह भूल जाते हैं कि जाने-अनजाने आज के माहौल में आपका चरित्र भी बदल रहा है और आप उत्पाद को समर्पित होते जा रहे हैं।

विलासिता की सामग्रियों से बाज़ार भरा पड़ा है, जो आपको लुभाने की जी-तोड़ कोशिश में निरंतर लगी रहती हैं। दैनिक जीवन में काम आने वाली वस्तुओं को ही लीजिए। टूथ-पेस्ट चाहिए? यह दाँतों को मोती जैसा चमकीला बनाता है, यह मुँह की दुर्गंध हटाता है। यह मसूड़ों को मज़बूत करता है और यह 'पूर्ण सुरक्षा' देता है। वह सब करके जो तीन-चार पेस्ट अलग-अलग करते हैं, किसी पेस्ट का 'मैजिक' फॉर्मूला है। कोई बबूल या नीम के गुणों से भरपूर है, कोई ऋषि-मुनियों द्वारा स्वीकृत तथा मान्य वनस्पति और खनिज तत्वों से बना है। जो चाहे चुन लीजिए। यदि पेस्ट अच्छा है, तो ब्रुश भी अच्छा होना चाहिए। आकार, रंग, बनावट, पहुँच और सफाई की क्षमता में अलग-अलग, एक से बढ़कर एक। मुँह की दुर्गंध से बचने के लिए माउथ वाश भी चाहिए। सूची और भी लंबी हो सकती है; पर इतनी ही चीज़ों का बिल काफ़ी बड़ा हो जाएगा, क्योंकि आप शायद बहुविज्ञापित और क़ीमती ब्रांड ही ख़रीदना पसंद करें। सौंदर्य प्रसाधनों की भीड़ तो चमत्कृत कर देनी वाली है-हर माह उसमें नये-नये उत्पाद जुड़ते जाते हैं। साबुन ही देखिये, एक में हल्की खुशबू है, दूसरे में तेज़। एक दिनभर आपके शरीर को तरो-ताज़ा रखता है, दूसरा पसीना रोकता है, तीसरा जर्म्स से आपकी रक्षा करता है। यह लीजिए सिने स्टार्स के सौंदर्य का रहस्य, उनका मनपसंद साबुन। सच्चाई का अर्थ समझना चाहते हैं, यह लीजिए। शरीर को पवित्र रखना चाहते हैं। यह लीजिए शुद्ध गंगाजल में बनी साबुन। चमड़ी को नर्म रखने के लिए यह लीजिए-महँगी है, पर आपके सौंदर्य में निखार ला देगी। संभ्रांत महिलाओं की ड्रेसिंग टेबल पर तीस-तीस हज़ार की सौंदर्य सामग्री होना तो मामूली बात है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: बाज़ार किन चीज़ों से भरा पड़ा है ?

1. लोगों से

2. खाद्य सामग्रियों से

3. सुख से

4. विलासिता की सामग्रियों से

Correct Answer :-

- विलासिता की सामग्रियों से

---

11) **धीरे-धीरे सब कुछ बदल रहा है। एक नई जीवन-शैली अपना वर्चस्व स्थापित कर रही है। उसके साथ आ रहा है एक नया जीवन-दर्शन-उपभोक्तावाद का दर्शन। उत्पादन बढ़ाने पर ज़ोर है चारों ओर। यह उत्पादन आपके लिए है; आपके भोग के लिए है, आपके सुख के लिए है। 'सुख' की व्याख्या बदल गई है। उपभोग-भोग ही सुख है। एक सूक्ष्म बदलाव आया है नई स्थिति में। उत्पाद तो आपके लिए हैं, पर आप यह भूल जाते हैं कि जाने-अनजाने आज के माहौल में आपका चरित्र भी बदल रहा है और आप उत्पाद को समर्पित होते जा रहे हैं।**

विलासिता की सामग्रियों से बाज़ार भरा पड़ा है, जो आपको लुभाने की जी-तोड़ कोशिश में निरंतर लगी रहती हैं। दैनिक जीवन में काम आने वाली वस्तुओं को ही लीजिए। टूथ-पेस्ट चाहिए? यह दाँतों को मोती जैसा चमकीला बनाता है, यह मुँह की दुर्गंध हटाता है। यह मसूड़ों को मज़बूत करता है और यह 'पूर्ण सुरक्षा' देता है। वह सब करके जो तीन-चार पेस्ट अलग-अलग करते हैं, किसी पेस्ट का 'मैजिक' फॉर्मूला है। कोई बबूल या नीम के गुणों से भरपूर है, कोई ऋषि-मुनियों द्वारा स्वीकृत तथा मान्य वनस्पति और खनिज तत्वों से बना है। जो चाहे चुन लीजिए। यदि पेस्ट अच्छा है, तो ब्रुश भी अच्छा होना चाहिए। आकार, रंग, बनावट, पहुँच और सफाई की क्षमता में अलग-अलग, एक से बढ़कर एक। मुँह की दुर्गंध से बचने के लिए माउथ वाश भी चाहिए। सूची और भी लंबी हो सकती है; पर इतनी ही चीज़ों का बिल काफ़ी बड़ा हो जाएगा, क्योंकि आप शायद बहुविज्ञापित और क़ीमती ब्रांड ही ख़रीदना पसंद करें। सौंदर्य प्रसाधनों की भीड़ तो चमत्कृत कर देनी वाली है-हर माह उसमें नये-नये उत्पाद जुड़ते जाते हैं। साबुन ही देखिये, एक में हल्की खुशबू है, दूसरे में तेज़। एक दिनभर आपके शरीर को तरो-ताज़ा रखता है, दूसरा पसीना रोकता है, तीसरा जर्म्स से आपकी रक्षा करता है। यह लीजिए सिने स्टार्स के सौंदर्य का रहस्य, उनका मनपसंद साबुन। सच्चाई का अर्थ समझना चाहते हैं, यह लीजिए। शरीर को पवित्र रखना चाहते हैं। यह लीजिए शुद्ध गंगाजल में बनी साबुन। चमड़ी को नर्म रखने के लिए यह लीजिए-महँगी है, पर आपके सौंदर्य में निखार ला देगी। संभ्रांत महिलाओं की ड्रेसिंग टेबल पर तीस-तीस हज़ार की सौंदर्य सामग्री होना तो मामूली बात है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: उत्पादों की भीड़ में क्या समस्या आती है?

1. देखने में

2. गुणवत्ता में

3. सही उत्पाद चुनने में

4. विज्ञापन में

Correct Answer :-

- सही उत्पाद चुनने में

---

12) **धीरे-धीरे सब कुछ बदल रहा है। एक नई जीवन-शैली अपना वर्चस्व स्थापित कर रही है। उसके साथ आ रहा है एक नया जीवन-दर्शन-उपभोक्तावाद का दर्शन। उत्पादन बढ़ाने पर ज़ोर है चारों ओर। यह उत्पादन आपके लिए है; आपके भोग के लिए है, आपके सुख के लिए है। 'सुख' की व्याख्या बदल गई है। उपभोग-भोग ही सुख है। एक सूक्ष्म बदलाव आया है नई स्थिति में। उत्पाद तो आपके लिए हैं, पर आप यह भूल जाते हैं कि जाने-अनजाने आज के माहौल में आपका चरित्र भी बदल रहा है और आप उत्पाद को समर्पित होते जा रहे हैं।**

विलासिता की सामग्रियों से बाज़ार भरा पड़ा है, जो आपको लुभाने की जी-तोड़ कोशिश में निरंतर लगी रहती हैं। दैनिक जीवन में काम आने वाली वस्तुओं को ही लीजिए। टूथ-पेस्ट चाहिए? यह दाँतों को मोती जैसा चमकीला बनाता है, यह मुँह की दुर्गंध हटाता है। यह मसूड़ों को मज़बूत करता है और यह 'पूर्ण सुरक्षा' देता है। वह सब करके जो तीन-चार पेस्ट अलग-अलग करते हैं, किसी पेस्ट का 'मैजिक' फॉर्मूला है। कोई बबूल या नीम के गुणों से भरपूर है, कोई ऋषि-मुनियों द्वारा स्वीकृत तथा मान्य वनस्पति और खनिज तत्वों से बना है। जो चाहे चुन लीजिए। यदि पेस्ट अच्छा है, तो ब्रुश भी अच्छा होना चाहिए। आकार, रंग, बनावट, पहुँच और सफाई की क्षमता में अलग-अलग, एक से बढ़कर एक। मुँह की दुर्गंध से बचने के लिए माउथ वाश भी चाहिए। सूची और भी लंबी हो सकती है; पर इतनी ही चीज़ों का बिल काफ़ी बड़ा हो जाएगा, क्योंकि आप शायद बहुविज्ञापित और क़ीमती ब्रांड ही ख़रीदना पसंद करें। सौंदर्य प्रसाधनों की भीड़ तो चमत्कृत कर देनी वाली है-हर माह उसमें नये-नये उत्पाद जुड़ते जाते हैं। साबुन ही देखिये, एक में हल्की खुशबू है, दूसरे में तेज़। एक दिनभर आपके शरीर को तरो-ताज़ा रखता है, दूसरा पसीना रोकता है, तीसरा जर्म्स से आपकी रक्षा करता है। यह लीजिए सिने स्टार्स के सौंदर्य का रहस्य, उनका मनपसंद साबुन। सच्चाई का अर्थ समझना चाहते हैं, यह लीजिए। शरीर को पवित्र रखना चाहते हैं। यह लीजिए शुद्ध गंगाजल में बनी साबुन। चमड़ी को नर्म रखने के लिए यह लीजिए-महँगी है, पर आपके सौंदर्य में निखार ला देगी। संभ्रांत महिलाओं की ड्रेसिंग टेबल पर तीस-तीस हज़ार की सौंदर्य सामग्री होना तो मामूली बात है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: बबूल और नीम के गुणों से भरपूर उत्पाद क्या है?

1. सौंदर्य प्रसाधन

2. तेल

3. इनमें से कोई नहीं

4. साबुन

Correct Answer :-

- इनमें से कोई नहीं

---

13) **धीरे-धीरे सब कुछ बदल रहा है। एक नई जीवन-शैली अपना वर्चस्व स्थापित कर रही है। उसके साथ आ रहा है एक नया जीवन-दर्शन-उपभोक्तावाद का दर्शन। उत्पादन बढ़ाने पर ज़ोर है चारों ओर। यह उत्पादन आपके लिए है; आपके भोग के लिए है, आपके सुख के लिए है। 'सुख' की व्याख्या बदल गई है। उपभोग-भोग ही सुख है। एक सूक्ष्म बदलाव आया है नई स्थिति में। उत्पाद तो आपके लिए हैं, पर आप यह भूल जाते हैं कि जाने-अनजाने आज के माहौल में आपका चरित्र भी बदल रहा है और आप उत्पाद को समर्पित होते जा रहे हैं।**

विलासिता की सामग्रियों से बाज़ार भरा पड़ा है, जो आपको लुभाने की जी-तोड़ कोशिश में निरंतर लगी रहती हैं। दैनिक जीवन में काम आने वाली वस्तुओं को ही लीजिए। टूथ-पेस्ट चाहिए? यह दाँतों को मोती जैसा चमकीला बनाता है, यह मुँह की दुर्गंध हटाता है। यह मसूड़ों को मज़बूत करता है और यह 'पूर्ण सुरक्षा' देता है। वह सब करके जो तीन-चार पेस्ट अलग-अलग करते हैं, किसी पेस्ट का 'मैजिक' फॉर्मूला है। कोई बबूल या नीम के गुणों से भरपूर है, कोई ऋषि-मुनियों द्वारा स्वीकृत तथा मान्य वनस्पति और खनिज तत्वों से बना है। जो चाहे चुन लीजिए। यदि पेस्ट अच्छा है, तो ब्रुश भी अच्छा होना चाहिए। आकार, रंग, बनावट, पहुँच और सफाई की क्षमता में अलग-अलग, एक से बढ़कर एक। मुँह की दुर्गंध से बचने के लिए माउथ वाश भी चाहिए। सूची और भी लंबी हो सकती है; पर इतनी ही चीज़ों का बिल काफ़ी बड़ा हो जाएगा, क्योंकि आप शायद बहुविज्ञापित और क़ीमती ब्रांड ही ख़रीदना पसंद करें। सौंदर्य प्रसाधनों की भीड़ तो चमत्कृत कर देनी वाली है-हर माह उसमें नये-नये उत्पाद जुड़ते जाते हैं। साबुन ही देखिये, एक में हल्की खुशबू है, दूसरे में तेज़। एक दिनभर आपके शरीर को तरो-ताज़ा रखता है, दूसरा पसीना रोकता है, तीसरा जर्म्स से आपकी रक्षा करता है। यह लीजिए सिने स्टार्स के सौंदर्य का रहस्य, उनका मनपसंद साबुन। सच्चाई का अर्थ समझना चाहते हैं, यह लीजिए। शरीर को पवित्र रखना चाहते हैं। यह लीजिए शुद्ध गंगाजल में बनी साबुन। चमड़ी को नर्म रखने के लिए यह लीजिए-महँगी है, पर आपके सौंदर्य में निखार ला देगी। संभ्रांत महिलाओं की ड्रेसिंग टेबल पर तीस-तीस हज़ार की सौंदर्य सामग्री होना तो मामूली बात है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: सिने स्टार्स के सौंदर्य का रहस्य किस उत्पाद के प्रयोग से पता चलता है?

1. किसी ख़ास ब्रांड का साबुन

2. महँगे सौंदर्य प्रसाधन

3. महँगे उत्पाद

4. खुशबूदार तेल

Correct Answer :-

- किसी ख़ास ब्रांड का साबुन

---

14) **धीरे-धीरे सब कुछ बदल रहा है। एक नई जीवन-शैली अपना वर्चस्व स्थापित कर रही है। उसके साथ आ रहा है एक नया जीवन-दर्शन-उपभोक्तावाद का दर्शन। उत्पादन बढ़ाने पर ज़ोर है चारों ओर। यह उत्पादन आपके लिए है; आपके भोग के लिए है, आपके सुख के लिए है। 'सुख' की व्याख्या बदल गई है। उपभोग-भोग ही सुख है। एक सूक्ष्म बदलाव आया है नई स्थिति में। उत्पाद तो आपके लिए हैं, पर आप यह भूल जाते हैं कि जाने-अनजाने आज के माहौल में आपका चरित्र भी बदल रहा है और आप उत्पाद को समर्पित होते जा रहे हैं।**

विलासिता की सामग्रियों से बाज़ार भरा पड़ा है, जो आपको लुभाने की जी-तोड़ कोशिश में निरंतर लगी रहती हैं। दैनिक जीवन में काम आने वाली वस्तुओं को ही लीजिए। टूथ-पेस्ट चाहिए? यह दाँतों को मोती जैसा चमकीला बनाता है, यह मुँह की दुर्गंध हटाता है। यह मसूड़ों को मज़बूत करता है और यह 'पूर्ण सुरक्षा' देता है। वह सब करके जो तीन-चार पेस्ट अलग-अलग करते हैं, किसी पेस्ट का 'मैजिक' फॉर्मूला है। कोई बबूल या नीम के गुणों से भरपूर है, कोई ऋषि-मुनियों द्वारा स्वीकृत तथा मान्य वनस्पति और खनिज तत्वों से बना है। जो चाहे चुन लीजिए। यदि पेस्ट अच्छा है, तो ब्रुश भी अच्छा होना चाहिए। आकार, रंग, बनावट, पहुँच और सफाई की क्षमता में अलग-अलग, एक से बढ़कर एक। मुँह की दुर्गंध से बचने के लिए माउथ वाश भी चाहिए। सूची और भी लंबी हो सकती है; पर इतनी ही चीज़ों का बिल काफ़ी बड़ा हो जाएगा, क्योंकि आप शायद बहुविज्ञापित और क़ीमती ब्रांड ही ख़रीदना पसंद करें। सौंदर्य प्रसाधनों की भीड़ तो चमत्कृत कर देनी वाली है-हर माह उसमें नये-नये उत्पाद जुड़ते जाते हैं। साबुन ही देखिये, एक में हल्की खुशबू है, दूसरे में तेज़। एक दिनभर आपके शरीर को तरो-ताज़ा रखता है, दूसरा पसीना रोकता है, तीसरा जर्म्स से आपकी रक्षा करता है। यह लीजिए सिने स्टार्स के सौंदर्य का रहस्य, उनका मनपसंद साबुन। सच्चाई का अर्थ समझना चाहते हैं, यह लीजिए। शरीर को पवित्र रखना चाहते हैं। यह लीजिए शुद्ध गंगाजल में बनी साबुन। चमड़ी को नर्म रखने के लिए यह लीजिए-महँगी है, पर आपके सौंदर्य में निखार ला देगी। संभ्रांत महिलाओं की ड्रेसिंग टेबल पर तीस-तीस हज़ार की सौंदर्य सामग्री होना तो मामूली बात है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: धीरे-धीरे हो रहे बदलाव के कारण किस दर्शन का वर्चस्व स्थापित हो रहा है?

1. समन्वयवाद

2. सुखवाद

3. उपभोक्तावाद

4. दुःखवाद

Correct Answer :-

- उपभोक्तावाद

---

15) **धीरे-धीरे सब कुछ बदल रहा है। एक नई जीवन-शैली अपना वर्चस्व स्थापित कर रही है। उसके साथ आ रहा है एक नया जीवन-दर्शन-उपभोक्तावाद का दर्शन। उत्पादन बढ़ाने पर ज़ोर है चारों ओर। यह उत्पादन आपके लिए है; आपके भोग के लिए है, आपके सुख के लिए है। 'सुख' की व्याख्या बदल गई है। उपभोग-भोग ही सुख है। एक सूक्ष्म बदलाव आया है नई स्थिति में। उत्पाद तो आपके लिए हैं, पर आप यह भूल जाते हैं कि जाने-अनजाने आज के माहौल में आपका चरित्र भी बदल रहा है और आप उत्पाद को समर्पित होते जा रहे हैं।**

विलासिता की सामग्रियों से बाज़ार भरा पड़ा है, जो आपको लुभाने की जी-तोड़ कोशिश में निरंतर लगी रहती हैं। दैनिक जीवन में काम आने वाली वस्तुओं को ही लीजिए। टूथ-पेस्ट चाहिए? यह दाँतों को मोती जैसा चमकीला बनाता है, यह मुँह की दुर्गंध हटाता है। यह मसूड़ों को मज़बूत करता है और यह 'पूर्ण सुरक्षा' देता है। वह सब करके जो तीन-चार पेस्ट अलग-अलग करते हैं, किसी पेस्ट का 'मैजिक' फॉर्मूला है। कोई बबूल या नीम के गुणों से भरपूर है, कोई ऋषि-मुनियों द्वारा स्वीकृत तथा मान्य वनस्पति और खनिज तत्वों से बना है। जो चाहे चुन लीजिए। यदि पेस्ट अच्छा है, तो ब्रुश भी अच्छा होना चाहिए। आकार, रंग, बनावट, पहुँच और सफाई की क्षमता में अलग-अलग, एक से बढ़कर एक। मुँह की दुर्गंध से बचने के लिए माउथ वाश भी चाहिए। सूची और भी लंबी हो सकती है; पर इतनी ही चीज़ों का बिल काफ़ी बड़ा हो जाएगा, क्योंकि आप शायद बहुविज्ञापित और क़ीमती ब्रांड ही ख़रीदना पसंद करें। सौंदर्य प्रसाधनों की भीड़ तो चमत्कृत कर देनी वाली है-हर माह उसमें नये-नये उत्पाद जुड़ते जाते हैं। साबुन ही देखिये, एक में हल्की खुशबू है, दूसरे में तेज़। एक दिनभर आपके शरीर को तरो-ताज़ा रखता है, दूसरा पसीना रोकता है, तीसरा जर्म्स से आपकी रक्षा करता है। यह लीजिए सिने स्टार्स के सौंदर्य का रहस्य, उनका मनपसंद साबुन। सच्चाई का अर्थ समझना चाहते हैं, यह लीजिए। शरीर को पवित्र रखना चाहते हैं। यह लीजिए शुद्ध गंगाजल में बनी साबुन। चमड़ी को नर्म रखने के लिए यह लीजिए-महँगी है, पर आपके सौंदर्य में निखार ला देगी। संभ्रांत महिलाओं की ड्रेसिंग टेबल पर तीस-तीस हज़ार की सौंदर्य सामग्री होना तो मामूली बात है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: उपभोग बढ़ने के कारण किसकी व्याख्या बदल गई है?

1. उपभोग की

2. दुख की

3. सुख की

4. उत्पादन की

Correct Answer :-

- सुख की

---

16) **कितना प्रामाणिक था उसका दुख**

लड़की को दान में देते वक़्त

जैसे वही उसकी अंतिम पूंजी हो

लड़की अभी सयानी नहीं थी

अभी इतनी भोली सरल थी

कि उसे सुख का आभास होता था

लेकिन दुख बाँचना नहीं आता था

पाठिका थी वह धुंधले प्रकाश की

कुछ तुकों और लयबद्ध पंक्तियों की

माँ ने कहा पानी में झाँककर
अपने चेहरे में मत रीझाना
आग रोटियाँ सेंकने के लिए है
जलने के लिए नहीं
वस्त्र और आभूषण शब्दिक भ्रमों की तरह
बंधन हैं स्त्री-जीवन के
माँ ने कहा लड़की होना
पर लड़की जैसी मत दिखाई देना।
उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।
प्रश्न: बेटियाँ ब्याह के बाद क्या हो जाती हैं?

1. बहू
2. महिला
3. पत्नी
4. पराई

Correct Answer :-

- पराई

---

17) कितना प्रामाणिक था उसका दुख
लड़की को दान में देते वक़्त
जैसे वही उसकी अंतिम पूंजी हो
लड़की अभी सयानी नहीं थी
अभी इतनी भोली सरल थी
कि उसे सुख का आभास होता था
लेकिन दुख बाँचना नहीं आता था
पाठिका थी वह धुंधले प्रकाश की
कुछ तुकों और लयबद्ध पंक्तियों की
माँ ने कहा पानी में झाँककर
अपने चेहरे में मत रीझाना
आग रोटियाँ सेंकने के लिए है
जलने के लिए नहीं
वस्त्र और आभूषण शब्दिक भ्रमों की तरह
बंधन हैं स्त्री-जीवन के
माँ ने कहा लड़की होना
पर लड़की जैसी मत दिखाई देना।
उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।
प्रश्न : जाते-जाते माँ अपनी बेटी को कई क्या दे रही है?

1. नसीहतें
2. कपड़े
3. गहने
4. सामान

Correct Answer :-

- नसीहतें

---

18) कितना प्रामाणिक था उसका दुख
लड़की को दान में देते वक़्त
जैसे वही उसकी अंतिम पूंजी हो
लड़की अभी सयानी नहीं थी

अभी इतनी भोली सरल थी
कि उसे सुख का आभास होता था
लेकिन दुख बाँचना नहीं आता था
पाठिका थी वह धुंधले प्रकाश की
कुछ तुकों और लयबद्ध पंक्तियों की
माँ ने कहा पानी में झाँककर
अपने चेहरे में मत रीझाना
आग रोटियाँ सेंकने के लिए है
जलने के लिए नहीं
वस्त्र और आभूषण शब्दिक भ्रमों की तरह
बंधन हैं स्त्री-जीवन के
माँ ने कहा लड़की होना
पर लड़की जैसी मत दिखाई देना।

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: उसे दुख बाँचना नहीं आता था, तब वह किसकी पाठिका थी?

1. उपर्युक्त सभी की
2. केवल कुछ तुकों की
3. केवल कुछ लयबद्ध पंक्तियों की
4. केवल धुँधले प्रकाश की

Correct Answer :-

- उपर्युक्त सभी की

---

19) कितना प्रामाणिक था उसका दुख
लड़की को दान में देते वक़्त
जैसे वही उसकी अंतिम पूंजी हो
लड़की अभी सयानी नहीं थी
अभी इतनी भोली सरल थी
कि उसे सुख का आभास होता था
लेकिन दुख बाँचना नहीं आता था
पाठिका थी वह धुंधले प्रकाश की
कुछ तुकों और लयबद्ध पंक्तियों की
माँ ने कहा पानी में झाँककर
अपने चेहरे में मत रीझाना
आग रोटियाँ सेंकने के लिए है
जलने के लिए नहीं
वस्त्र और आभूषण शब्दिक भ्रमों की तरह
बंधन हैं स्त्री-जीवन के
माँ ने कहा लड़की होना
पर लड़की जैसी मत दिखाई देना।

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: लड़की की माँ के अनुसार, आग रोटियाँ सेंकने के लिए है लेकिन किस काम के लिए नहीं हैं?

1. विकास के लिए
2. जलने के लिए
3. जलाने के लिए
4. विनाश के लिए

Correct Answer :-

- जलने के लिए

20) **कितना प्रामाणिक था उसका दुख**
लड़की को दान में देते वक़्त
जैसे वही उसकी अंतिम पूंजी हो
लड़की अभी सयानी नहीं थी
अभी इतनी भोली सरल थी
कि उसे सुख का आभास होता था
लेकिन दुख बाँचना नहीं आता था
पाठिका थी वह धुंधले प्रकाश की
कुछ तुकों और लयबद्ध पंक्तियों की
माँ ने कहा पानी में झाँककर
अपने चेहरे में मत रीझाना
आग रोटियाँ सेंकने के लिए है
जलने के लिए नहीं
वस्त्र और आभूषण शब्दिक भ्रमों की तरह
बंधन हैं स्त्री-जीवन के
माँ ने कहा लड़की होना
पर लड़की जैसी मत दिखाई देना।
उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।
प्रश्न: लड़कियों पर हमेशा किस चीज़ का ख़तरा हमेशा बना रहता है?

1. मानसिक उत्पीड़न
2. दहेज उत्पीड़न
3. आर्थिक उत्पीड़न
4. यौन अत्याचार

Correct Answer :-

- यौन अत्याचार

21) **कितना प्रामाणिक था उसका दुख**
लड़की को दान में देते वक़्त
जैसे वही उसकी अंतिम पूंजी हो
लड़की अभी सयानी नहीं थी
अभी इतनी भोली सरल थी
कि उसे सुख का आभास होता था
लेकिन दुख बाँचना नहीं आता था
पाठिका थी वह धुंधले प्रकाश की
कुछ तुकों और लयबद्ध पंक्तियों की
माँ ने कहा पानी में झाँककर
अपने चेहरे में मत रीझाना
आग रोटियाँ सेंकने के लिए है
जलने के लिए नहीं
वस्त्र और आभूषण शब्दिक भ्रमों की तरह
बंधन हैं स्त्री-जीवन के
माँ ने कहा लड़की होना
पर लड़की जैसी मत दिखाई देना।
उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।
प्रश्न: लड़की अभी सयानी नहीं हुई थी; इसका क्या आशय है?

1. अभी दुनियादारी की समझ न होना

2. बौद्धिक अक्षमता

3. शारीरिक विकास न होना

4. शारीरिक अक्षमता

Correct Answer :-

- अभी दुनियादारी की समझ न होना

---

22) कितना प्रामाणिक था उसका दुख

लड़की को दान में देते वक़्त

जैसे वही उसकी अंतिम पूंजी हो

लड़की अभी सयानी नहीं थी

अभी इतनी भोली सरल थी

कि उसे सुख का आभास होता था

लेकिन दुख बाँचना नहीं आता था

पाठिका थी वह धुंधले प्रकाश की

कुछ तुकों और लयबद्ध पंक्तियों की

माँ ने कहा पानी में झाँककर

अपने चेहरे में मत रीझाना

आग रोटियाँ सेंकने के लिए है

जलने के लिए नहीं

वस्त्र और आभूषण शब्दिक भ्रमों की तरह

बंधन हैं स्त्री-जीवन के

माँ ने कहा लड़की होना

पर लड़की जैसी मत दिखाई देना।

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: वस्त्र और आभूषण स्त्रियों के लिए किसकी तरह हैं?

1. मानसिक रोग की तरह

2. मानसिक गुलामी की तरह

3. शाब्दिक भ्रमों की तरह

4. शारीरिक बोझ की तरह

Correct Answer :-

- शाब्दिक भ्रमों की तरह

---

23) कितना प्रामाणिक था उसका दुख

लड़की को दान में देते वक़्त

जैसे वही उसकी अंतिम पूंजी हो

लड़की अभी सयानी नहीं थी

अभी इतनी भोली सरल थी

कि उसे सुख का आभास होता था

लेकिन दुख बाँचना नहीं आता था

पाठिका थी वह धुंधले प्रकाश की

कुछ तुकों और लयबद्ध पंक्तियों की

माँ ने कहा पानी में झाँककर

अपने चेहरे में मत रीझाना

आग रोटियाँ सेंकने के लिए है

जलने के लिए नहीं

वस्त्र और आभूषण शब्दिक भ्रमों की तरह

बंधन हैं स्त्री-जीवन के

माँ ने कहा लड़की होना

पर लड़की जैसी मत दिखाई देना।

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: वह इतनी भोली थी कि खुशियाँ मनाना तो उसे आता था लेकिन और किसका सामना करना अभी नहीं आता था?

1. दुख का
2. संबंधियों का
3. खर्च का
4. भय का

Correct Answer :-

- दुख का

---

24) कितना प्रामाणिक था उसका दुख

लड़की को दान में देते वक़्त

जैसे वही उसकी अंतिम पूंजी हो

लड़की अभी सयानी नहीं थी

अभी इतनी भोली सरल थी

कि उसे सुख का आभास होता था

लेकिन दुख बाँचना नहीं आता था

पाठिका थी वह धुंधले प्रकाश की

कुछ तुकों और लयबद्ध पंक्तियों की

माँ ने कहा पानी में झाँककर

अपने चेहरे में मत रीझाना

आग रोटियाँ सेंकने के लिए है

जलने के लिए नहीं

वस्त्र और आभूषण शब्दिक भ्रमों की तरह

बंधन हैं स्त्री-जीवन के

माँ ने कहा लड़की होना

पर लड़की जैसी मत दिखाई देना।

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: माँ ने क्या करते हुए अपने चेहरे पर न रीझने की नसीहत दी?

1. गाड़ी में बिठाकर
2. घर से पुकार कर
3. कमरे में बुलाकर
4. पानी में झाँककर

Correct Answer :-

- पानी में झाँककर

---

25) कितना प्रामाणिक था उसका दुख

लड़की को दान में देते वक़्त

जैसे वही उसकी अंतिम पूंजी हो

लड़की अभी सयानी नहीं थी

अभी इतनी भोली सरल थी

कि उसे सुख का आभास होता था

लेकिन दुख बाँचना नहीं आता था

पाठिका थी वह धुंधले प्रकाश की

कुछ तुकों और लयबद्ध पंक्तियों की

माँ ने कहा पानी में झाँककर

अपने चेहरे में मत रीझाना

आग रोटियाँ सेंकने के लिए है

जलने के लिए नहीं

वस्त्र और आभूषण शब्दिक भ्रमों की तरह

बंधन हैं स्त्री-जीवन के

माँ ने कहा लड़की होना

पर लड़की जैसी मत दिखाई देना।

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: माँ ने किन चीज़ों को स्त्री-जीवन का बंधन कहा है?

1. शिक्षा और स्वास्थ्य
2. जमीन और मकान
3. नींद और भूख
4. वस्त्र और आभूषण को

Correct Answer :-

- वस्त्र और आभूषण को

---

26) कितना प्रामाणिक था उसका दुख

लड़की को दान में देते वक़्त

जैसे वही उसकी अंतिम पूंजी हो

लड़की अभी सयानी नहीं थी

अभी इतनी भोली सरल थी

कि उसे सुख का आभास होता था

लेकिन दुख बाँचना नहीं आता था

पाठिका थी वह धुंधले प्रकाश की

कुछ तुकों और लयबद्ध पंक्तियों की

माँ ने कहा पानी में झाँककर

अपने चेहरे में मत रीझाना

आग रोटियाँ सेंकने के लिए है

जलने के लिए नहीं

वस्त्र और आभूषण शब्दिक भ्रमों की तरह

बंधन हैं स्त्री-जीवन के

माँ ने कहा लड़की होना

पर लड़की जैसी मत दिखाई देना।

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: माँ ने ऐसा क्यों कहा कि लड़की होना पर लड़की जैसी मत दिखाई देना?

1. उपर्युक्त सभी
2. अब वह केवल लड़कपन छोड़े।
3. केवल लोगों की बुरी नज़र से बचे।
4. माँ चाहती है कि अब वह केवल जिम्मेदार औरत बने।

Correct Answer :-

- उपर्युक्त सभी

---

27) कितना प्रामाणिक था उसका दुख

लड़की को दान में देते वक़्त

जैसे वही उसकी अंतिम पूंजी हो

लड़की अभी सयानी नहीं थी

अभी इतनी भोली सरल थी

कि उसे सुख का आभास होता था
लेकिन दुख बाँचना नहीं आता था
पाठिका थी वह धुंधले प्रकाश की
कुछ तुकों और लयबद्ध पंक्तियों की
माँ ने कहा पानी में झाँककर
अपने चेहरे में मत रीझाना
आग रोटियाँ सेंकने के लिए है
जलने के लिए नहीं
वस्त्र और आभूषण शब्दिक भ्रमों की तरह
बंधन हैं स्त्री-जीवन के
माँ ने कहा लड़की होना
पर लड़की जैसी मत दिखाई देना।
उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।
प्रश्न: इस कविता में 'अंतिम पूँजी' किसे कहा गया है?

1. बेटी को
2. माँ को
3. पत्नी को
4. घर-द्वार को

Correct Answer :-

- बेटी को

---

28) कितना प्रामाणिक था उसका दुख
लड़की को दान में देते वक़्त
जैसे वही उसकी अंतिम पूंजी हो
लड़की अभी सयानी नहीं थी
अभी इतनी भोली सरल थी
कि उसे सुख का आभास होता था
लेकिन दुख बाँचना नहीं आता था
पाठिका थी वह धुंधले प्रकाश की
कुछ तुकों और लयबद्ध पंक्तियों की
माँ ने कहा पानी में झाँककर
अपने चेहरे में मत रीझाना
आग रोटियाँ सेंकने के लिए है
जलने के लिए नहीं
वस्त्र और आभूषण शब्दिक भ्रमों की तरह
बंधन हैं स्त्री-जीवन के
माँ ने कहा लड़की होना
पर लड़की जैसी मत दिखाई देना।
उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।
प्रश्न: ब्याह के बाद बेटी अपने माँ बाप के लिए क्या बन जाती है?

1. एक मेहमान
2. एक हिस्सेदार
3. कुछ नहीं
4. एक रिश्तेदार

Correct Answer :-

- एक मेहमान

29) कितना प्रामाणिक था उसका दुख

लड़की को दान में देते वक़्त

जैसे वही उसकी अंतिम पूंजी हो

लड़की अभी सयानी नहीं थी

अभी इतनी भोली सरल थी

कि उसे सुख का आभास होता था

लेकिन दुख बाँचना नहीं आता था

पाठिका थी वह धुंधले प्रकाश की

कुछ तुकों और लयबद्ध पंक्तियों की

माँ ने कहा पानी में झाँककर

अपने चेहरे में मत रीझाना

आग रोटियाँ सेंकने के लिए है

जलने के लिए नहीं

वस्त्र और आभूषण शब्दिक भ्रमों की तरह

बंधन हैं स्त्री-जीवन के

माँ ने कहा लड़की होना

पर लड़की जैसी मत दिखाई देना।

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: इस कविता में उस दृश्य का वर्णन है जब कौन अपनी बेटी का कन्यादान कर रही है?

1. एक माँ
2. एक मौसी
3. एक बहन
4. एक बुआ

Correct Answer :-

- एक माँ

---

30) कितना प्रामाणिक था उसका दुख

लड़की को दान में देते वक़्त

जैसे वही उसकी अंतिम पूंजी हो

लड़की अभी सयानी नहीं थी

अभी इतनी भोली सरल थी

कि उसे सुख का आभास होता था

लेकिन दुख बाँचना नहीं आता था

पाठिका थी वह धुंधले प्रकाश की

कुछ तुकों और लयबद्ध पंक्तियों की

माँ ने कहा पानी में झाँककर

अपने चेहरे में मत रीझाना

आग रोटियाँ सेंकने के लिए है

जलने के लिए नहीं

वस्त्र और आभूषण शब्दिक भ्रमों की तरह

बंधन हैं स्त्री-जीवन के

माँ ने कहा लड़की होना

पर लड़की जैसी मत दिखाई देना।

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: इस कविता में किस दृश्य का वर्णन है?

1. कन्यादान का
2. अन्नदान का

3. भोजन दान का

4. वस्त्रदान का

Correct Answer :-

- कन्यादान का

Topic:- General Sanskrit(L2GS)

1)

परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

सूफीसाहित्यस्य कथानायकेषु अन्यतमः मुल्लानसुद्दीनः एकदा दुःखेन उपविष्टः आसीत् । तदा तं द्रष्टुम् आगतः सुहृत् तम् अपृच्छत्- “मित्र! किमर्थं शोचसि?” इति । तदा मुल्ला रुदन्नेव उक्तवान्- “ मम अशीतिवर्षीयः श्वशुरः स्वीयसम्पत्तेः उत्तराधिकारिरूपेण मम नाम निर्दिश्य दिवङ्गतः । ततः पूर्वं गते सप्ताहे मम पञ्चाशीतिवर्षीयः पितृव्यः स्वीयसम्पत्तेः उत्तराधिकारं मह्यं दत्वा मृतः । एवं शतवर्षीयः पितामहः द्वि-लक्षरूप्यकमूल्यात्मिकां सम्पत्तिं प्रदाय ह्यः मृतवान्” इति । तदा तस्य मित्रम् अवदत् “अलं एतावता दुःखेन । तव श्वशुरादयः वृद्धाः आसन् खलु । तेषां मरणं सहजं अस्ति । वस्तुतः तेषां सम्पत्तिः प्राप्ता इति त्वया सन्तोषः अनुभोक्तव्यः । विलापः कुतः?” इति । एतच्छ्रुत्वा मुल्ला प्रत्यवदत् - “मम दुःखस्य कारणम् एतदस्ति यत् मम सर्वे धनिकाः बान्धवाः मृताः । इतः परं तादृशः कोऽपि बन्धुः नास्ति यः मां स्वसम्पत्तेः उत्तराधिकारिणं कुर्यात्” इति । यदि वयं अस्माकं सन्तोषस्य तृप्तेः च सीमानं विस्तारयन्तः एव भवेम तर्हि कोऽपि विषयः अस्माकं कृते सन्तोषदायकः न भवति ।

मुल्लानसुद्दीनः कस्य साहित्यस्य कथानायकेषु अन्यतमः?

1. हिन्दीसाहित्यस्य

2. कन्नडसाहित्यस्य

3. सूफीसाहित्यस्य

4. संस्कृतसाहित्यस्य

Correct Answer :-

- सूफीसाहित्यस्य

2)

परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

सूफीसाहित्यस्य कथानायकेषु अन्यतमः मुल्लानसुद्दीनः एकदा दुःखेन उपविष्टः आसीत् । तदा तं द्रष्टुम् आगतः सुहृत् तम् अपृच्छत्- “मित्र! किमर्थं शोचसि?” इति । तदा मुल्ला रुदन्नेव उक्तवान्- “ मम अशीतिवर्षीयः श्वशुरः स्वीयसम्पत्तेः उत्तराधिकारिरूपेण मम नाम निर्दिश्य दिवङ्गतः । ततः पूर्वं गते सप्ताहे मम पञ्चाशीतिवर्षीयः पितृव्यः स्वीयसम्पत्तेः उत्तराधिकारं मह्यं दत्वा मृतः । एवं शतवर्षीयः पितामहः द्वि-लक्षरूप्यकमूल्यात्मिकां सम्पत्तिं प्रदाय ह्यः मृतवान्” इति । तदा तस्य मित्रम् अवदत् “अलं एतावता दुःखेन । तव श्वशुरादयः वृद्धाः आसन् खलु । तेषां मरणं सहजं अस्ति । वस्तुतः तेषां सम्पत्तिः प्राप्ता इति त्वया सन्तोषः अनुभोक्तव्यः । विलापः कुतः?” इति । एतच्छ्रुत्वा मुल्ला प्रत्यवदत् - “मम दुःखस्य कारणम् एतदस्ति यत् मम सर्वे धनिकाः बान्धवाः मृताः । इतः परं तादृशः कोऽपि बन्धुः नास्ति यः मां स्वसम्पत्तेः उत्तराधिकारिणं कुर्यात्” इति । यदि वयं अस्माकं सन्तोषस्य तृप्तेः च सीमानं विस्तारयन्तः एव भवेम तर्हि कोऽपि विषयः अस्माकं कृते सन्तोषदायकः न भवति ।

पितामहः कियत्परिमितां सम्पत्तिं प्रदाय मृतवान्?

1. पञ्चलक्ष
2. द्वि-लक्ष
3. दशलक्ष
4. सप्तलक्ष

Correct Answer :-

- द्वि-लक्ष

3)

परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

सूफीसाहित्यस्य कथानायकेषु अन्यतमः मुल्लानसुद्दीनः एकदा दुःखेन उपविष्टः आसीत् । तदा तं द्रष्टुम् आगतः सुहृत् तम् अपृच्छत्- “मित्र! किमर्थं शोचसि?” इति । तदा मुल्ला रुदन्नेव उक्तवान्- “ मम अशीतिवर्षीयः श्वशुरः स्वीयसम्पत्तेः उत्तराधिकारिरूपेण मम नाम निर्दिश्य दिवङ्गतः । ततः पूर्वं गते सप्ताहे मम पञ्चाशीतिवर्षीयः पितृव्यः स्वीयसम्पत्तेः उत्तराधिकारं मह्यं दत्वा मृतः । एवं शतवर्षीयः पितामहः द्वि-लक्षरूप्यकमूल्यात्मिकां सम्पत्तिं प्रदाय ह्यः मृतवान्” इति । तदा तस्य मित्रम् अवदत् “अलं एतावता दुःखेन । तव श्वशुरादयः वृद्धाः आसन् खलु । तेषां मरणं सहजं अस्ति । वस्तुतः तेषां सम्पत्तिः प्राप्ता इति त्वया सन्तोषः अनुभोक्तव्यः । विलापः कुतः?” इति । एतच्छ्रुत्वा मुल्ला प्रत्यवदत् - “मम दुःखस्य कारणम् एतदस्ति यत् मम सर्वे धनिकाः बान्धवाः मृताः । इतः परं तादृशः कोऽपि बन्धुः नास्ति यः मां स्वसम्पत्तेः उत्तराधिकारिणं कुर्यात्” इति । यदि वयं अस्माकं सन्तोषस्य तृप्तेः च सीमानं विस्तारयन्तः एव भवेम तर्हि कोऽपि विषयः अस्माकं कृते सन्तोषदायकः न भवति ।

नसुद्दीनस्य कीदृशाः बान्धवाः मृताः?

1. बद्धाः
2. क्रुद्धाः
3. धनिकाः
4. दरिद्राः

Correct Answer :-

- धनिकाः

4)

श्लोकौ पठित्वा अधोदत्त प्रश्नं शुद्धविकल्पेन सूचयत -

लोभमूलानि पापानि संकटानि तथैव च |
लोभात्प्रवर्तते वैरम् अतिलोभात्विनश्यति ||
धैर्यं यस्य पिता क्षमा च जननी शान्ति: चिरं गेहिनी
सत्यं सूनु: इयं दया च भगिनी भ्राता मन:संयम: |
शय्या भूमितलं दिश: अपि वसनं ज्ञानामृतम् भोजनम्
एते यस्य कुटुम्बिन: वद सखे कस्माद् भयं योगिन: ||

पापस्य मूलमयम् ।

1. लोभः
2. क्रोधः
3. कामः
4. मोहः

Correct Answer :-

- लोभः

5)

परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

सूफीसाहित्यस्य कथानायकेषु अन्यतमः मुल्लानसुद्दीनः एकदा दुःखेन उपविष्टः आसीत् । तदा तं द्रष्टुम् आगतः सुहृत् तम् अपृच्छत्- "मित्र! किमर्थं शोचसि?" इति । तदा मुल्ला रुदन्नेव उक्तवान्- " मम अशीतिवर्षीयः श्वशुरः स्वीयसम्पत्तेः उत्तराधिकारिरूपेण मम नाम निर्दिश्य दिवङ्गतः । ततः पूर्वं गते सप्ताहे मम पञ्चाशीतिवर्षीयः पितृव्यः स्वीयसम्पत्तेः उत्तराधिकारं मह्यं दत्वा मृतः । एवं शतवर्षीयः पितामहः द्वि-लक्षरूप्यकमूल्यात्मिकां सम्पत्तिं प्रदाय ह्यः मृतवान्" इति । तदा तस्य मित्रम् अवदत् "अलं एतावता दुःखेन । तव श्वशुरादयः वृद्धाः आसन् खलु । तेषां मरणं सहजं अस्ति । वस्तुतः तेषां सम्पत्तिः प्राप्ता इति त्वया सन्तोषः अनुभोक्तव्यः । विलापः कुतः?" इति । एतच्छ्रुत्वा मुल्ला प्रत्यवदत् - "मम दुःखस्य कारणम् एतदस्ति यत् मम सर्वे धनिकाः बान्धवाः मृताः । इतः परं तादृशः कोऽपि बन्धुः नास्ति यः मां स्वसम्पत्तेः उत्तराधिकारिणं कुर्यात्" इति । यदि वयं अस्माकं सन्तोषस्य तृप्तेः च सीमानं विस्तारयन्तः एव भवेम तर्हि कोऽपि विषयः अस्माकं कृते सन्तोषदायकः न भवति ।

श्वशुरादयः कीदृशाः आसन्?

1. गृहस्थाः
2. युवानः
3. शिशवः
4. वृद्धाः

Correct Answer :-

- वृद्धाः

6) श्लोकौ पठित्वा अधोदत्त प्रश्नं शुद्धविकल्पेन सूचयत -

महाजनस्य संसर्गः कस्य नोन्नतिकारकः |
पद्मपत्रस्थितं तोयं धत्ते मुक्ताफलश्रियम् ||
स्वभावो नोपदेशेन शक्यते कर्तुमन्यथा |
सुतप्तमपि पानीयं पुनर्गच्छति शीतताम् ||

अस्य संसर्गः उन्नतिकारकः ।

1. महाजनस्य
2. दुर्जनस्य
3. कुशलस्य
4. मृतस्य

Correct Answer :-

- महाजनस्य

---

7)

परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

वाल्मीकिः नाम मुनिः तमसानदीतीरे आश्रमे अवसत् । रमणीयः खलु आश्रमपदस्यायं परिसरः । एकदा देवर्षिः नारदः तत्रागच्छत् । आगतं नारदं वाल्मीकिः विनयेनापृच्छत्-'देवर्षे! साम्प्रतं लोके को नु धर्मज्ञः, गुणैः भूषितः, दृढव्रतः, सर्वभूतेषु च हितः? अहं तं महापुरुषं ज्ञातुम् इच्छामि । परमं मे कुतूहलम् । त्वं हि प्रश्नस्यास्योत्तरं दातुं समर्थः ।

प्रीतः नारदः अब्रवीत्-'कोसलदेशे अयोध्या नाम नगरी अस्ति । तत्र दशरथः नाम राजा आसीत् । तस्य रामः नाम प्रियः पुत्रः । सः एव जनानां हिते रतः शुचिः; साधुः; विचक्षणः सर्वगुणोपेतः च अस्ति' ।

नारदस्य तत् वचनं श्रुत्वा सन्तुष्टः वाल्मीकिः तं देवर्षिमपूजयत् । वाल्मीकिना संपूजितः नारदः देवलोकमगच्छत् । गते नारदे प्राज्ञः वाल्मीकिः रामचरितं पद्यरूपेण अरचयत् । तदेतदेव रामायणमिति प्रसिद्धं काव्यम् ।

रामायणं कः अरचयत्?

1. व्यासः
2. कालिदासः
3. वाल्मीकिः
4. रामः

Correct Answer :-

- वाल्मीकिः

8)

परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

वाल्मीकिः नाम मुनिः तमसानदीतीरे आश्रमे अवसत् । रमणीयः खलु आश्रमपदस्यायं परिसरः । एकदा देवर्षिः नारदः तत्रागच्छत् । आगतं नारदं वाल्मीकिः विनयेनापृच्छत्-'देवर्षे! साम्प्रतं लोके को नु धर्मज्ञः, गुणैः भूषितः, दृढव्रतः, सर्वभूतेषु च हितः? अहं तं महापुरुषं ज्ञातुम् इच्छामि । परमं मे कुतूहलम् । त्वं हि प्रश्नस्यास्योत्तरं दातुं समर्थः ।

प्रीतः नारदः अब्रवीत्-'कोसलदेशे अयोध्या नाम नगरी अस्ति । तत्र दशरथः नाम राजा आसीत् । तस्य रामः नाम प्रियः पुत्रः । सः एव जनानां हिते रतः शुचिः; साधुः; विचक्षणः सर्वगुणोपेतः च अस्ति' ।

नारदस्य तत् वचनं श्रुत्वा सन्तुष्टः वाल्मीकिः तं देवर्षिमपूजयत् । वाल्मीकिना संपूजितः नारदः देवलोकमगच्छत् । गते नारदे प्राज्ञः वाल्मीकिः रामचरितं पद्यरूपेण अरचयत् । तदेतदेव रामायणमिति प्रसिद्धं काव्यम् ।

अयोध्यायाः राजा कः?

1. रावणः
2. रामः
3. लक्ष्मणः
4. दशरथः

Correct Answer :-

- दशरथः

9) अधोदत्तेषु विकल्पेषु कः विकल्पः द्वन्द्वसमासस्य न भवति ?

1. दशरथौ
2. कृष्णार्जुनौ
3. रामसीते
4. मृगकाकौ

Correct Answer :-

. दशरथौ

10) शाकुन्तलस्य दुष्यन्त: ___ नायक: |

1. धीरोदात्त:

2. धीरललित:

3. धीरप्रशान्त:

4. धीरोद्धत:

Correct Answer :-

. धीरोदात्त:

11) श्लोकौ पठित्वा अधोदत्त प्रश्नं शुद्धविकल्पेन सूचयत -

लोभमूलानि पापानि संकटानि तथैव च |
लोभात्प्रवर्तते वैरम् अतिलोभात्विनश्यति ||
धैर्यं यस्य पिता क्षमा च जननी शान्ति: चिरं गेहिनी
सत्यं सूनु: इयं दया च भगिनी भ्राता मन:संयम: |
शय्या भूमितलं दिश: अपि वसनं ज्ञानामृतम् भोजनम्
एते यस्य कुटुम्बिन: वद सखे कस्माद् भयं योगिन: ||

चिरं गेहिनी इयम् ।

1. विद्या

2. शान्तिः

3. भगिनी

4. दया

Correct Answer :-

. शान्तिः

12)

श्लोकौ पठित्वा अधोदत्त प्रश्नं शुद्धविकल्पेन सूचयत -

लोभमूलानि पापानि संकटानि तथैव च |
लोभात्प्रवर्तते वैरम् अतिलोभात्विनश्यति ||
धैर्यं यस्य पिता क्षमा च जननी शान्ति: चिरं गेहिनी
सत्यं सूनु: इयं दया च भगिनी भ्राता मन:संयम: |
शय्या भूमितलं दिश: अपि वसनं ज्ञानामृतम् भोजनम्
एते यस्य कुटुम्बिन: वद सखे कस्माद् भयं योगिन: ||

अनेन विनाशः सम्भवति ।

1. अतिभोजनेन
2. अतिक्रोधेन
3. अतिकामेन
4. अतिलोभेन

Correct Answer :-

- अतिलोभेन

---

13) स्वप्नवासवदत्तरूपके कस्मिन्नङ्के स्वप्नवृत्तान्तमस्ति ?

1. ४
2. २
3. ५
4. ३

Correct Answer :-

- ५

---

14) श्लोकौ पठित्वा अधोदत्त प्रश्नं शुद्धविकल्पेन सूचयत -

महाजनस्य संसर्ग: कस्य नोन्नतिकारक: |
पद्मपत्रस्थितं तोयं धत्ते मुक्ताफलश्रियम् ||
स्वभावो नोपदेशेन शक्यते कर्तुमन्यथा |
सुतप्तमपि पानीयं पुनर्गच्छति शीतताम् ||

एतादृशं पानीयं शीततां गच्छति ।

1. सुसूक्ष्मम्
2. सुवर्णम्
3. सुगन्धम्
4. सुतप्तम्

Correct Answer :-

- सुतप्तम्

15) गतिस्त्रिधा इत्यस्य शुद्धः सन्धिविभागः-

1. गतिस् + त्रिधा
2. गति + अस्त्रिधा
3. गतिः + त्रिधा
4. गतिस्त्रि + धा

Correct Answer :-

- गतिः + त्रिधा

16) अधोदत्तेषु कः विकल्पः शुद्धः न ?

1. गुरूपदेशः
2. मन्त्रोपदेशः
3. मित्रोपदेशः
4. हितोपदेशः

Correct Answer :-

- गुरूपदेशः

17) रामायणे कति श्लोकाः सन्ति ?

1. २४०००
2. १५०००
3. १२०००
4. २५०००

Correct Answer :-

- २४०००

---

18)

परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

वाल्मीकिः नाम मुनिः तमसानदीतीरे आश्रमे अवसत् । रमणीयः खलु आश्रमपदस्यायं परिसरः । एकदा देवर्षिः नारदः तत्रागच्छत् । आगतं नारदं वाल्मीकिः विनयेनापृच्छत्-'देवर्षे! साम्प्रतं लोके को नु धर्मज्ञः, गुणैः भूषितः, दृढव्रतः, सर्वभूतेषु च हितः? अहं तं महापुरुषं ज्ञातुम् इच्छामि । परमं मे कुतूहलम् । त्वं हि प्रश्नस्यास्योत्तरं दातुं समर्थः ।

प्रीतः नारदः अब्रवीत्-'कोसलदेशे अयोध्या नाम नगरी अस्ति । तत्र दशरथः नाम राजा आसीत् । तस्य रामः नाम प्रियः पुत्रः । सः एव जनानां हिते रतः शुचिः; साधुः; विचक्षणः सर्वगुणोपेतः च अस्ति' ।

नारदस्य तत् वचनं श्रुत्वा सन्तुष्टः वाल्मीकिः तं देवर्षिमपूजयत् । वाल्मीकिना संपूजितः नारदः देवलोकमगच्छत् । गते नारदे प्राज्ञः वाल्मीकिः रामचरितं पद्यरूपेण अरचयत् । तदेतदेव रामायणमिति प्रसिद्धं काव्यम् ।

वाल्मीकेः आश्रमम् प्रति कः आगच्छत्?

1. नारदः
2. वायुः
3. वरुणः
4. इन्द्रः

Correct Answer :-

- नारदः

---

19) राजपुत्रः इत्यस्य विग्रहवाक्यमस्ति -

1. राजा च पुत्रः च
2. राज्ञः पुत्रः
3. राजः पुत्रः

4. राजस्य पुत्रः

Correct Answer :-

• राज्ञः पुत्रः

20) आयुर्वेदस्य मूलं _____

1. अथर्वणवेद:
2. ऋग्वेद:
3. सामवेद:
4. यजुर्वेद:

Correct Answer :-

• अथर्वणवेद:

21) श्लोकौ पठित्वा अधोदत्त प्रश्नं शुद्धविकल्पेन सूचयत -

महाजनस्य संसर्ग: कस्य नोन्नतिकारक: |
पद्मपत्रस्थितं तोयं धत्ते मुक्ताफलश्रियम् ||
स्वभावो नोपदेशेन शक्यते कर्तुमन्यथा |
सुतप्तमपि पानीयं पुनर्गच्छति शीतताम् ||

'कर्तुम्' अत्रायं प्रत्ययः ।

1. अनीयर्
2. क्त्वा
3. तुमुन्
4. शतृ

Correct Answer :-

• तुमुन्

22)

श्लोकौ पठित्वा अधोदत्त प्रश्नं शुद्धविकल्पेन सूचयत -

लोभमूलानि पापानि संकटानि तथैव च |
लोभात्प्रवर्तते वैरम् अतिलोभात्विनश्यति ||
धैर्यं यस्य पिता क्षमा च जननी शान्ति: चिरं गेहिनी
सत्यं सूनु: इयं दया च भगिनी भ्राता मन:संयम: |
शय्या भूमितलं दिश: अपि वसनं ज्ञानामृतम् भोजनम्
एते यस्य कुटुम्बिन: वद सखे कस्माद् भयं योगिन: ||

'वस्त्रम्' इति पदस्य कृतेऽत्र इदं पदं प्रयुक्तम् ।

1. शय्या
2. संयम:
3. दिश:
4. वसनम्

Correct Answer :-

- वसनम्

23)

परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

सूफीसाहित्यस्य कथानायकेषु अन्यतमः मुल्लानसुद्दीनः एकदा दुःखेन उपविष्टः आसीत् । तदा तं द्रष्टुम् आगतः सुहृत् तम् अपृच्छत्- “मित्र! किमर्थं शोचसि?” इति । तदा मुल्ला रुदन्नेव उक्तवान्- “ मम अशीतिवर्षीयः श्वशुरः स्वीयसम्पत्तेः उत्तराधिकारिरूपेण मम नाम निर्दिश्य दिवङ्गतः । ततः पूर्वं गते सप्ताहे मम पञ्चाशीतिवर्षीयः पितृव्यः स्वीयसम्पत्तेः उत्तराधिकारं मह्यं दत्वा मृतः । एवं शतवर्षीयः पितामहः द्वि-लक्षरूप्यकमूल्यात्मिकां सम्पत्तिं प्रदाय ह्यः मृतवान्” इति । तदा तस्य मित्रम् अवदत् “अलं एतावता दुःखेन । तव श्वशुरादयः वृद्धाः आसन् खलु । तेषां मरणं सहजं अस्ति । वस्तुतः तेषां सम्पत्तिः प्राप्ता इति त्वया सन्तोषः अनुभोक्तव्यः । विलापः कुतः?” इति । एतच्छ्रुत्वा मुल्ला प्रत्यवदत् - “मम दुःखस्य कारणम् एतदस्ति यत् मम सर्वे धनिकाः बान्धवाः मृताः । इतः परं तादृशः कोऽपि बन्धुः नास्ति यः मां स्वसम्पत्तेः उत्तराधिकारिणं कुर्यात्” इति । यदि वयं अस्माकं सन्तोषस्य तृप्तेः च सीमानं विस्तारयन्तः एव भवेम तर्हि कोऽपि विषयः अस्माकं कृते सन्तोषदायकः न भवति ।

कोऽपि अत्र कः सन्धिः ?

1. यण्
2. सवर्णदीर्घः
3. पूर्वरूपम्
4. वृद्धिः

Correct Answer :-

- पूर्वरूपम्

24) अधोदत्तेषु विकल्पेषु कः विकल्पः अशुद्धः ?

1. विचित्रम्
2. तच्च
3. सच्चित्रम्
4. सच्चित्

Correct Answer :-

- विचित्रम्

---

25) श्लोकौ पठित्वा अधोदत्त प्रश्नं शुद्धविकल्पेन सूचयत -

लोभमूलानि पापानि संकटानि तथैव च |
लोभात्प्रवर्तते वैरम् अतिलोभात्विनश्यति ||
धैर्यं यस्य पिता क्षमा च जननी शान्ति: चिरं गेहिनी
सत्यं सूनु: इयं दया च भगिनी भ्राता मन:संयम: |
शय्या भूमितलं दिश: अपि वसनं ज्ञानामृतम् भोजनम्
एते यस्य कुटुम्बिन: वद सखे कस्माद् भयं योगिन: ||

'कस्मात्' अत्र इयं विभक्तिः ।

1. सप्तमी
2. पञ्चमी
3. प्रथमा
4. चतुर्थी

Correct Answer :-

- पञ्चमी

---

26) श्लोकौ पठित्वा अधोदत्त प्रश्नं शुद्धविकल्पेन सूचयत -

महाजनस्य संसर्ग: कस्य नोन्नतिकारक: |
पद्मपत्रस्थितं तोयं धत्ते मुक्ताफलश्रियम् ||
स्वभावो नोपदेशेन शक्यते कर्तुमन्यथा |
सुतप्तमपि पानीयं पुनर्गच्छति शीतताम् ||

अत्रस्थं तोयं मुक्ताफलश्रियम् धत्ते ।

1. देहस्थम्
2. स्पटिकस्थम्
3. पद्मपत्रस्थम्
4. अधरस्थम्

Correct Answer :-

- पद्मपत्रस्थम्

27)

परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शद्धमत्तरं सचयत -

वाल्मीकिः नाम मुनिः तमसानदीतीरे आश्रमे अवसत् । रमणीयः खलु आश्रमपदस्यायं परिसरः । एकदा देवर्षिः नारदः तत्रागच्छत् । आगतं नारदं वाल्मीकिः विनयेनापृच्छत्-'देवर्षे! साम्प्रतं लोके को नु धर्मज्ञः, गुणैः भूषितः, दृढव्रतः, सर्वभूतेषु च हितः? अहं तं महापुरुषं ज्ञातुम् इच्छामि । परमं मे कुतूहलम् । त्वं हि प्रश्नस्यास्योत्तरं दातुं समर्थः ।

प्रीतः नारदः अब्रवीत्-'कोसलदेशे अयोध्या नाम नगरी अस्ति । तत्र दशरथः नाम राजा आसीत् । तस्य रामः नाम प्रियः पुत्रः । सः एव जनानां हिते रतः शुचिः; साधुः; विचक्षणः सर्वगुणोपेतः च अस्ति' ।

नारदस्य तत् वचनं श्रुत्वा सन्तुष्टः वाल्मीकिः तं देवर्षिमपूजयत् । वाल्मीकिना संपूजितः नारदः देवलोकमगच्छत् । गते नारदे प्राज्ञः वाल्मीकिः रामचरितं पद्यरूपेण अरचयत् । तदेतदेव रामायणमिति प्रसिद्धं काव्यम् ।

वाल्मीकिः कुत्र अवसत्?

1. गङ्गातीरे
2. तमसातीरे
3. यमुनातीरे
4. तुङ्गातीरे

Correct Answer :-

- तमसातीरे

28)

परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

वाल्मीकिः नाम मुनिः तमसानदीतीरे आश्रमे अवसत् । रमणीयः खलु आश्रमपदस्यायं परिसरः । एकदा देवर्षिः नारदः तत्रागच्छत् । आगतं नारदं वाल्मीकिः विनयेनापृच्छत्-'देवर्षे! साम्प्रतं लोके को नु धर्मज्ञः, गुणैः भूषितः, दृढव्रतः, सर्वभूतेषु च हितः? अहं तं महापुरुषं ज्ञातुम् इच्छामि । परमं मे कुतूहलम् । त्वं हि प्रश्नस्यास्योत्तरं दातुं समर्थः ।

प्रीतः नारदः अब्रवीत्-'कोसलदेशे अयोध्या नाम नगरी अस्ति । तत्र दशरथः नाम राजा आसीत् । तस्य रामः नाम प्रियः पुत्रः । सः एव जनानां हिते रतः शुचिः; साधुः; विचक्षणः सर्वगुणोपेतः च अस्ति' ।

नारदस्य तत् वचनं श्रुत्वा सन्तुष्टः वाल्मीकिः तं देवर्षिमपूजयत् । वाल्मीकिना संपूजितः नारदः देवलोकमगच्छत् । गते नारदे प्राज्ञः वाल्मीकिः रामचरितं पद्यरूपेण अरचयत् । तदेतदेव रामायणमिति प्रसिद्धं काव्यम् ।

श्रीरामः कीदृशः अस्ति?

1. सर्वसुन्दरः
2. सर्वमनोहरः
3. सर्वगुणोपेतः
4. सर्वशक्तः

Correct Answer :-

- सर्वगुणोपेतः

29) विश्वेशः इत्यत्र सन्धिरस्ति-

1. दीर्घसन्धिः
2. परसवर्णसन्धिः
3. गुणसन्धिः
4. अयादिसन्धिः

Correct Answer :-

- गुणसन्धिः

30) श्लोकौ पठित्वा अधोदत्त प्रश्नं शुद्धविकल्पेन सूचयत -

महाजनस्य संसर्ग: कस्य नोन्नतिकारक: |
पद्मपत्रस्थितं तोयं धत्ते मुक्ताफलश्रियम् ||
स्वभावो नोपदेशेन शक्यते कर्तुमन्यथा |
सुतप्तमपि पानीयं पुनर्गच्छति शीतताम् ||

कः उपदेशेनान्यथा कर्तुं न शक्यते ।

1. ख्यातिः
2. धर्मः
3. स्वभावः
4. जीवनम्

Correct Answer :-

- स्वभावः

Topic:- Urdu (URD)

1) درج ذیل مصرعہ کس کا ہے؟

زندگی کاہے کو ہے خواب ہے دیوانے کا

1. فانی
2. مجروح
3. اصغر
4. مجاز

Correct Answer :-

- فانی

2) اردو شاعری کی باقاعدہ ابتدا ہوئی

1. دکن میں
2. پاکستان میں
3. سندھ میں
4. شمال میں

Correct Answer :-

- دکن میں

3) اردو کی وہ شعری صنف جس میں کسی کی تعریف کی جاتی ہے

1. قطعہ
2. مثنوی
3. رباعی
4. قصیدہ

Correct Answer :-

- قصیدہ

4) اردو کی وہ شعری صنف جس میں خیالی واقعات بیان کیے جاتے رہے ہیں

1. قطعہ
2. مثنوی
3. رباعی
4. مرثیہ

Correct Answer :-

- مثنوی

5) حروف کی حرکات و سکنات ظاہر کرنے والی علامتوں کو کہتے ہیں

1. ضمیر
2. فعل
3. اعراب
4. صفت

Correct Answer :-

- اعراب

6) سبق کی اچھی منصوبہ بندی کے لیے ضروری ہے کہ سبق کے

1. متن کو جماعت میں بلند آواز سے پڑھا جائے

2. متن کو پہلے سے پڑھ لیا جائے

3. صرف ظاہری خوبیوں کو بتایا جائے

4. ظاہری اور باطنی دونوں خوبیوں کو اجاگر کیا جائے

Correct Answer :-

- ظاہری اور باطنی دونوں خوبیوں کو اجاگر کیا جائے

---

7) درج ذیل کے کس عمل سے اساتذہ اور طلبا دونوں کو اسباق کی صحیح سمتوں کا پتا چلتا ہے

1. زبان پر مکمل مہارت حاصل کرنے سے

2. جماعت میں طلبا اور اساتذہ دونوں کے ذریعے اسباق کو بہ آواز بلند پڑھنے سے

3. تدریسی منصوبہ بندی سے

4. اسباق کو یاد کرنے سے

Correct Answer :-

- تدریسی منصوبہ بندی سے

---

8) درج ذیل میں اردو کا پہلا سوانح نگار ہے

1. حالی

2. نذیر احمد

3. شبلی

4. سرسید

Correct Answer :-

- حالی

---

9) تدریس ایک

1. اصلاحی عمل ہے

2. سماجی عمل ہے

3. مذہبی عمل ہے

4. سیاسی عمل ہے

Correct Answer :-

- اصلاحی عمل ہے

10) افسانے کے اجزائے ترکیبی میں شامل ہے

1. بین
2. سراپا
3. وحدت تاثر
4. حمد

Correct Answer :-

- وحدت تاثر

11) طلبا میں اردو زبان کے تئیں دلچسپی قائم کرنے کے لیے طلبا کو بتایا جانا چاہیے

1. اردو زبان کی معاشی اور تہذیبی اہمیت
2. اردو زبان کی معاشی اہمیت
3. اردو زبان کی سیاسی اہمیت
4. اردو زبان کی مذہبی اہمیت

Correct Answer :-

- اردو زبان کی معاشی اور تہذیبی اہمیت

12) کسی شعر کے ردیف سے پہلے آنے والے ہم آواز الفاظ کو کہا جاتا ہے

1. قافیہ
2. مقطع
3. تخلص
4. حسن مطلع

Correct Answer :-

- قافیہ

13) طلبا کے لیے استاد کا رول ہوتا ہے

1. رہنما اور مددگار کے طور پر

2. پیشہ ور کے طور پر

3. مددگار کے طور پر

4. رہنما کے طور پر

Correct Answer :-

- رہنما اور مددگار کے طور پر

---

14) اردو کا پہلا انشائیہ نگار کسے تسلیم کیا جاتا ہے

1. عبدالحلیم شرر کو

2. ڈپٹی نذیر احمد کو

3. محمد حسین آزاد کو

4. پریم چند کو

Correct Answer :-

- محمد حسین آزاد کو

---

15) 'انسان کسی حال میں خوش نہیں رہتا' کے خالق ہیں

1. جگن ناتھ آزاد

2. محمد حسین آزاد

3. ابوالکلام آزاد

4. الطاف حسین حالی

Correct Answer :-

- محمد حسین آزاد

---

16) درج ذیل مصرعہ کس کا ہے؟

نازکی اس کے لب کی کیا کہیے

1. غالب

2. آتش

3. درد

4. میر

Correct Answer :-

- میر

---

17) درج ذیل میں سے کس کا تعلق ترقی پسند تحریک سے تھا

1. فانی

2. حسرت

3. شاد

4. فیض

Correct Answer :-

- فیض

---

18) اردو زبان کی پیدائش دہلی اور نواح دہلی میں ہوئی، یہ کس کا نظریہ ہے؟

1. محمود شیرانی

2. نصیرالدین ہاشمی

3. مسعود حسین خاں

4. محمد حسین آزاد

Correct Answer :-

- مسعود حسین خاں

---

19) درج ذیل مصرعہ کس کا ہے؟

نہ گور سکندر نہ ہے قبر دارا

1. میر

2. آتش

3. درد

4. غالب

Correct Answer :-

- آتش

20) تدریس کو موثر بنانے کے لیے استاد کو درج ذیل میں سے کن امور پر خصوصی توجہ دینا چاہیے

1. آموزش

2. تعلیمی مقاصد

3. تعلیمی مقاصد، آموزش، تجربات اور اندازۂ قدر

4. تجربات

Correct Answer :-

- تعلیمی مقاصد، آموزش، تجربات اور اندازۂ قدر

21) داستان کی تدریس کے لیے استاد کو چاہیے کہ وہ شامل نصاب داستان کے

1. تمام اقتباسات کو پڑھانے کا اہتمام کرے

2. چند اقتباسات کو بہ آواز بلند پڑھانے کا اہتمام کرے

3. تمام اقتباسات کو بہ آواز بلند پڑھانے کا اہتمام کرے

4. چند اقتباسات پڑھانے کا اہتمام کرے

Correct Answer :-

- چند اقتباسات کو بہ آواز بلند پڑھانے کا اہتمام کرے

22) وہ حروف جو ایک چیز سے دوسری چیز کی مانند ظاہر کرنے کے لیے استعمال ہوں، کہلاتے ہیں

1. حروف عطف

2. حروف شمسی

3. حروف قمری

4. حروف تشبیہ

Correct Answer :-

- حروف تشبیہ

23) جملے کا وہ کلمہ جس میں کسی کام کے کرنے یا ہونے کا اظہار پایا جائے، اسے کہتے ہیں

1. فعل

2. ضمیر

3. اعراب

4. صفت

Correct Answer :-

- فعل

24) وہ حروف جن سے پہلے الف اور لام بولنے میں آئے، کہلاتے ہیں

1. حروف قمری

2. حروف شمسی

3. حروف تشبیہ

4. حروف عطف

Correct Answer :-

- حروف قمری

25) ناول کے اجزائے ترکیبی میں شامل ہے

1. بین

2. پلاٹ

3. گریز

4. وحدت تاثر

Correct Answer :-

- پلاٹ

26) درج ذیل میں سے کس کا تعلق غیر افسانوی ادب سے ہے

1. انشائیہ

2. ناول

3. ڈرامہ

4. داستان

Correct Answer :-

• انشائیہ

27) اردو زبان کی پیدائش کے حوالے سے اب تک کس کے نظریے کو درست مانا جاتا ہے

1. محمود شیرانی
2. محمد حسین آزاد
3. نصیرالدین ہاشمی
4. مسعود حسین خاں

Correct Answer :-

• مسعود حسین خاں

28) اردو کی وہ شعری صنف جس میں محض چار مصرعے ہوتے ہیں

1. مسدس
2. نظم معریٰ
3. رباعی
4. مخمس

Correct Answer :-

• رباعی

29) وہ حروف جو دو کلموں کو باہم ملائیں، کہلاتے ہیں

1. حروف جار
2. حروف عطف
3. حروف شمسی
4. حروف قمری

Correct Answer :-

• حروف عطف

30) اردو زبان پڑھاتے وقت استاد طلبا کی درج ذیل میں سے کن صلاحیتوں کو ابھارے

1. پڑھنے کی صلاحیت کو

2. سننے کی صلاحیت کو

3. بولنے کی صلاحیت کو

4. سننے، بولنے، پڑھنے اور لکھنے کی صلاحیت کو

Correct Answer :-

- سننے، بولنے، پڑھنے اور لکھنے کی صلاحیت کو

31) تدریسی عمل کو زیادہ بار آور اور نتیجہ خیز بنایا جا سکتا ہے

1. اپنی خاموشی سے

2. اپنی عالمانہ گفتگو سے

3. تدریسی حکمت عملی سے

4. اپنی علمیت کے اظہار سے

Correct Answer :-

- تدریسی حکمت عملی سے

32) نظم جدید کے موجد مانے جاتے ہیں

1. محمد حسین آزاد

2. شبلی

3. اسماعیل

4. حالی

Correct Answer :-

- محمد حسین آزاد

33) مشبہ کو بعینہ مشبہ بہ قرار دینا، کہلاتا ہے

1. ابہام

2. استعارہ

3. ایہام

4. تجنیس

Correct Answer :-

- استعارہ

34) تدریس ایک ایسا عمل ہے جس سے طلبا کے اندر

1. محنت کرنے کا جذبہ پیدا ہوتا ہے
2. سوچنے کی قوت پیدا ہوتی ہے
3. کاہلی پیدا ہوتی ہے
4. سبق کو یاد کرنے کی عادت پڑتی ہے

Correct Answer :-

- سوچنے کی قوت پیدا ہوتی ہے

35) خیالی واقعات ہوتے ہیں

1. افسانے میں
2. ڈرامہ میں
3. داستان میں
4. ناول میں

Correct Answer :-

- داستان میں

36) کسی مشہور تاریخی واقعہ، قصہ یا مسئلے کی جانب اشارہ کرنا، کہلاتا ہے

1. تلمیح
2. تجنیس
3. استعارہ
4. تنسیق الصفات

Correct Answer :-

- تلمیح

37) درج ذیل ادیبوں میں کسے جدید اردو نثر کا بانی قرار دیا جاتا ہے

1. نذیر احمد کو

2. شبلی کو

3. سرسید کو

4. حالی کو

Correct Answer :-

- سرسید کو

---

38) 'پودے' کے خالق ہیں

1. اوپندر ناتھ اشک

2. کرشن چندر

3. بیدی

4. منٹو

Correct Answer :-

- کرشن چندر

---

39) وہ حروف جو دو اسموں کو ملانے کے لیے استعمال ہوں، کہلاتے ہیں

1. حروف قمری

2. حروف جار

3. حروف عطف

4. حروف شمسی

Correct Answer :-

- حروف جار

---

40) ناول کی تدریس کے لیے استاد کو چاہیے کہ سب سے پہلے وہ طلبا کو

1. ناول کے آغاز وارتقا پر گفتگو کرے

2. ناول کی زبان پر گفتگو کرے

3. ناول کی کہانی کو پیش کرے

4. ناول کے اجزائے ترکیبی سے آگاہ کرے

Correct Answer :-

- ناول کے اجزائے ترکیبی سے آگاہ کرے

---

41) درج ذیل مصرعہ کس کا ہے؟

بے در و دیوار سا اک گھر بنایا چاہیے

1. غالب

2. درد

3. آتش

4. میر

Correct Answer :-

- غالب

---

42) اردو میں افسانے کے بنیاد گزار مانے جاتے ہیں

1. ڈپٹی نذیر احمد

2. پریم چند

3. رتن ناتھ سرشار

4. عبدالحلیم شرر

Correct Answer :-

- پریم چند

---

43) درج ذیل شعرا میں کس کا تعلق اٹھارہویں صدی سے ہے

1. سراج اورنگ آبادی

2. مومن

3. میر تقی میر

4. سردار جعفری

Correct Answer :-

میر تقی میر

44) ایک اچھے استاد کا کام ہے

1. طالب علموں کے سیکھنے میں پیش آنے والی دشواریوں کو حل کرنا
2. طالب علموں کو وقت پر اسکول آنے کی ترغیب دینا
3. طالب علموں میں بحث و مباحثہ کرانا
4. طالب علموں کو سبق یاد کرانا

Correct Answer :-

- طالب علموں کے سیکھنے میں پیش آنے والی دشواریوں کو حل کرنا

45) 'ہاتھوں کا ترانہ' کس کی نظم ہے

1. کیفی اعظمی
2. مخدوم محی الدین
3. سردار جعفری
4. مجاز

Correct Answer :-

- سردار جعفری

46) اسم کی اچھائی یا برائی بتانے والے لفظ کو کہتے ہیں

1. فعل
2. صفت
3. اعراب
4. ضمیر

Correct Answer :-

- صفت

47) سماج کو متحرک کرنے کا سب سے موثر آلہ ہے

1. مذہب

2. سیاست

3. تعلیم

4. تجارت

Correct Answer :-

- تعلیم

48) 'چند ہم عصر' کیا ہے

1. شعری مجموعہ

2. خاکوں کا مجموعہ

3. افسانوی مجموعہ

4. انشائیوں کا مجموعہ

Correct Answer :-

- خاکوں کا مجموعہ

49) غزل کے پہلے شعر کو کہتے ہیں

1. مقطع

2. مطلع

3. تشبیب

4. پلاٹ

Correct Answer :-

- مطلع

50) جو لفظ اسم کی بجائے استعمال ہوتا ہے، اسے کہتے ہیں

1. اعراب

2. فعل

3. ضمیر

4. صفت

Correct Answer :-

- ضمیر

51) اردو ناول کے بنیاد گزار ہیں

1. ڈپٹی نذیر احمد
2. محمد حسین آزاد
3. پریم چند
4. عبدالحلیم شرر

Correct Answer :-

- ڈپٹی نذیر احمد

52) اردو کی وہ نثری صنف جس میں سفر کی روداد دلچسپ انداز میں بیان کی جاتی ہے

1. انشائیہ
2. خاکہ
3. روزنامچہ
4. سفر نامہ

Correct Answer :-

- سفر نامہ

53) اردو کی وہ نثری صنف جس میں انسان کا پری سے عشق دکھایا جاتا ہے

1. ناول
2. داستان
3. رپورتاژ
4. افسانہ

Correct Answer :-

- داستان

54) درج ذیل میں سے کس کا تعلق غیر افسانوی نثری صنف سے نہیں ہے

1. سفر نامہ

2. داستان

3. مکتوب

4. خاکہ

Correct Answer :-

- داستان

55) اردو کی وہ نثری صنف جس میں کسی شخص کی پیدائش سے لے کر موت تک کا ذکر کیا جاتا ہے

1. انشائیہ

2. سوانح

3. ڈرامہ

4. روزنامچہ

Correct Answer :-

- سوانح

56) نظم کی وہ قسم جس میں قافیے کی پابندی نہیں کی جاتی ہے

1. نظم آزاد

2. نظم معریٰ

3. نثری نظم

4. پابند نظم

Correct Answer :-

- نظم معریٰ

57) عمومی تدریس کے متعلقات ہیں

1. متعلم اور تعلیم گاہ

2. تعلیمی مواد اور متعلم

3. معلم اور تعلیم گاہ

4. متعلم، معلم، تعلیمی مواد اور تعلیم گاہ

Correct Answer :-

- متعلم، معلم، تعلیمی مواد اور تعلیم گاہ

58) کس مکتوب نگار نے مراسلے کو مکالمہ بنایا

1. شبلی
2. عبدالماجد دریابادی
3. ابوالکلام آزاد
4. غالب

Correct Answer :-

- غالب

59) تدریس کے لغوی معنی ہے

1. پڑھانا یا درس دینا
2. پڑھنا اور سمجھنا
3. یاد کرانا
4. یاد کرنا

Correct Answer :-

- پڑھانا یا درس دینا

60) ذیل میں سے کہانی "نمک کا داروغہ" کس نے لکھی ہے؟

1. علی عباس حسینی
2. منٹو
3. پریم چند
4. بیدی

Correct Answer :-

- پریم چند